राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 240 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 15 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मौत या मर्डर?, घर में परिवार के 5 लोगों के शव मिले, छक्के श्रावस्ती में हुई दिल दहला देने वाली घटना

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई। इकौना क्षेत्र के कैलाशपुर ग्राम पंचायत के मजरा लियाकतपुरवा में एक घर के अंदर दंपती और उनके तीन बच्चों के शव बरामद हुए, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय, सीओ भारत पासवान तथा पुलिस बल मौके पर पहुंचा और सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक सिरोज अली की मां ने बताया कि सुबह जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला, तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने अपनी छोटी बहू और बेटी राबिया को बुलाकर अंदर झांकने को कहा। राबिया ने खिड़की से जब कमरे के अंदर देखा तो वहां का दृश्य देखकर स्तब्ध रह गई–बिस्तर पर पूरे परिवार के शव पड़े थे।

परिवार के रिश्तों को लेकर पूछे जाने पर सिरोज की मां ने बताया कि पहले पति-पत्नी के बीच विवाद रहता था, लेकिन पिछले कुछ समय से उनके संबंध सामान्य हो गए थे। दंपती के तीन छोटे बच्चे थे–एक डेढ़ साल का बेटा और दो बेटियां। घटना की सूचना पर एसपी सहित फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और कमरे की बारीकी से जांच की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा कि यह आत्महत्या है या फिर किसी अन्य कारण से हुई मौत। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

इंटरपोल का 'रेड नोटिस' आया काम, उत्तराखंड का भगोड़ा जगदीश पुनेठा यूएई से भारत डिपोर्ट

नई दिल्ली। उत्तराखंड के भगोड़े जगदीश पुनेठा को यूएई से पकड़कर वापस लाया गया है। उसके खिलाफ उत्तराखंड के पिथौरागढ़ पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप में मुकदमा दर्ज है। सीबीआई ने इंटरपोल चैनलों के माध्यम से यूएई से वांछित भगोड़े जगदीश पुनेठा की वापसी का समन्वय किया।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से 13 नवंबर को यूएई से भगोड़े जगदीश पुनेठा की वापसी का सफलतापूर्वक समन्वय किया गया है। सीबीआई के अनुसार, उत्तराखंड पुलिस ने धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप में जगदीश पुनेठा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इसी बीच वह यूएई भाग गया। सीबीआई ने उसका पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए यूएई अधिकारियों के साथ समन्वय किया। सीबीआई ने उत्तराखंड पुलिस के अनुरोध पर 6 मई को इंटरपोल के माध्यम से जगदीश पुनेठा के खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया। इसके बाद, वहां आरोपी की तलाश शुरू की गई। यूएई में गिरफ्तारी होने के बाद उत्तराखंड पुलिस की एक टीम उसे वापस लाने के लिए वहां गई और गुरुवार को उसे लेकर नई दिल्ली पहुंची। बता दें कि इंटरपोल की ओर से जारी रेड नोटिस वांछित भगोड़ों पर नजर रखने के लिए दुनिया भर की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भेजे जाते हैं। पिछले कुछ सालों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से समन्वय करके 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है।

राहुल गांधी का 'हाइड्रोजन बम' काम नहीं आया

एनडीए का महागठबंधन को 202 वोल्ट का झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजों को लेकर बढ़ी दिलचस्पी के बीच यह जानना रोचक है कि वो आखिर कौन-से बड़े कारण रहे, जिन वजहों से महागठबंधन धराशायी होता दिखा। यह जानना भी दिलचस्प है कि क्या नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे? इनके अलावा सर्वाधिक चर्चित सीटों की स्थिति, 2020 के मुकाबले इस बार के चुनाव परिणाम में अंतर, प्रशांत किशोर के राजनीतिक दल-जनसुराज और असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी- एआईएमआईएम और लालू यादव के बेटे तेज प्रताप यादव की सीट को लेकर भी

जिज्ञासा रही। वोट प्रतिशत की बात करें तो तेजस्वी की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। राजद को 23 फीसदी से अधिक वोट मिले हैं। 20 प्रतिशत वोट के साथ भाजपा दूसरे नंबर पर रही है।

अब सीटों के लिहाज से बात करें तो भाजपा सबसे आगे है। इस परिणाम का एक चौंकाने वाला पहलू यह भी है कि मतदान प्रतिशत के मामले में जनसुराज का कहीं भी अता-पता नहीं है। यह इसलिए भी हैरान करने वाला है क्योंकि प्रशांत किशोर की पार्टी ने 200 से अधिक सीटों पर ताल ठोकी थी।

परिणाम कई मायनों में दिलचस्प रहे हैं। कुल 243 सीटों में महागठबंधन का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। पांच साल पहले आए चुनाव परिणाम में 110 सीटें जीतने वाला महागठबंधन इस बार 30 सीटों पर सिमटता दिख रहा है। दूसरी तरफसत्ताधारी खेमा एनडीए इस बार 200 सीटों से अधिक जीतता दिख रहा है।

चुनाव से पहले दो दशक से अधिक समय बाद कराए गए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और वोट चोरी जैसे जुमलों का इस्तेमाल करने वाले विपक्षी खेमे को जितनी सीटें मिली हैं, इससे साफहै कि उसके उठाए मुद्दे बेअसर साबित हुए।

दोनों दल 101-101 सीटों चुनावी मैदान में उतरे थे। 2020 में भाजपा 74 सीटों पर जीती थी। इस बार वह करीब 95 सीटें जीतती नजर आ रही है। यानी 20 से ज्यादा सीटों का फायदा। वहीं, जदयू को करीब 85 सीटें मिलती दिख रही हैं। उसे 40 से ज्यादा सीटों का फायदा हुआ है। 2020 में उसे 43 सीटें मिली थीं।

महागठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी राजद ही थी। तेजस्वी यादव ने आक्रामक प्रचार किया। सबसे ज्यादा रैलियां उन्हीं ने कीं। वे मुख्यमंत्री पद का चेहरा थे, लेकिन उनकी पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। राजद को करीब 27 सीटें मिलती नजर आ रही हैं। उसे 48 सीटों का नुकसान हुआ है। 2020 में उसे 75 सीटें मिली थीं।

कांग्रेस का प्रदर्शन सबसे ज्यादा चौंकाने वाला रहा। वह महज चार सीटें जीतती नजर आ रही है। पिछली बार उसे 19 सीटें मिली थीं। राहुल गांधी का 'हाइड्रोजन बम' काम नहीं आया।

प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने 200 से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे। इस चुनाव में यह इकलौती पार्टी थी, जिसने इतनी सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे। हालांकि, प्रशांत किशोर ने खुद चुनाव नहीं लड़ा। बीते तीन साल से अधिक समय से बिहार में सामाजिक-राजनीतिक रूप से सक्रिय रहे प्रशांत की पार्टी खाता नहीं खोल पाई। पीके उपनाम से चर्चित प्रशांत किशोर तमाम साक्षात्कारों में यह दावा करते दिखे कि उनके पास प्रत्याशियों की ऐसी फौज है, जो बिहार में नई इबारत लिखेगी। हालांकि, वे खुद इस बात को भी रेखांकित करते थे कि जनसुराज पार्टी या तो अर्श पर होगी या फर्श पर।

प्रदेश में 14 नई सिंचाई परियोजनाओं को मिली सैद्धांतिक सहमति

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की 33वीं बैठक संपन्न

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ सिंचाई परियोजना मंडल की 33वीं तथा वर्तमान सरकार के कार्यकाल की पहली बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाने, भूजल स्तर सुधारने और शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने पर विस्तृत विमर्श किया गया। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के लिए 14 नई परियोजनाओं को सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि और कृषि उत्पादन बढ़ाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सिंचाई नेटवर्क का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने

बताया कि सिंचाई रकबा बढ़ने से न केवल किसानों को लाभ मिलेगा बल्कि भूजल स्तर में सुधार होगा और पेयजल आपूर्ति को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बैठक में सरगुजा, बस्तर सहित मैदानी इलाकों तक सिंचाई सुविधाओं के विस्तार पर व्यापक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने सभी परियोजनाओं की रूपरेखा, लागत और उनके लाभों की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि प्रदेशभर में संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए इन परियोजनाओं को गति प्रदान की जाएगी।

गौरतलब है कि इन परियोजनाओं के माध्यम प्रदेश में लगभग 01 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता में वृद्धि होगी। इन परियोजनाओं में बस्तर जिले के अंतर्गत देउरगांव बैराज सह उदवहन सिंचाई परियोजना, बस्तर जिले के अंतर्गत मटनार बैराज सह उद्धवहन सिंचाई परियोजना, रायपुर जिले के विकासखण्ड आरंग में महानदी पर मोहमेला सिरपुर बैराज योजना, अहिरन से गाजरीनाला जल संवर्धन निर्माण (खारंग अहिरन लिंक परियोजना) कार्य, बिलासपुर जिले के कोटा विकासखण्ड अंतर्गत छपराटोला फीडर जलाशय परियोजना, कुम्हारी जलाशय जल क्षमता वृद्धि (जलावर्धन) योजना के अंतर्गत समोदा बैराज से कुम्हारी जलाशय तक पाईप लाईन बिछाने का कार्य, दुर्ग जिले के विकासखण्ड धमधा के सहगांव उद्धवहन सिंचाई योजना, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में लमती फीडर जलाशय एवं नहरों का निर्माण कार्य, राजनांदगांव जिले में स्थित मोहारा एनीकट में पेय जल हेतु चौकी एनीकट से मोहारा एनीकट तक पाईप लाईन के माध्यम से जल प्रदाय योजना, गरियाबंद जिले के पैरी परियोजना के अंतर्गत सिकासार जलाशय से कोडार जलाशय लिंक नहर (पाईप लाईन) योजना तथा बिलासपुर जिले के खारंग जलाशय योजना के बाएं तट नहर के आर्वधन हेतु पाराघाट व्यपवर्तन योजना से उद्धवहन फीडर सिंचाई का निर्माण कार्य शामिल किया गया है।

धर्मेंद्र की निजता भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग, आईएफएटीडीए ने की पुलिस में शिकायत

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन डायरेक्टर्स एसोसिएशन (आईएफएटीडीए) ने अभिनेता धर्मेंद्र की बीमारी के दौरान पपराजी और मीडिया के अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष और फिल्म निर्माता-निर्देशक अशोक पंडित ने पुलिस को औपचारिक शिकायत पत्र सौंपते हुए ऐसे लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर लेटर की कॉपी भी शेयर की, जिसमें लिखा है, कुछ असत्यापित पपराजी और ऑनलाइन मीडिया संचालकों के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराना चाहता हूं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानित दिग्गजों में से एक, पद्म भूषण धर्मेंद्र जी की बीमारी से संबंधित हालिया कवरेज में

शालीनता और नैतिकता की सभी सीमाओं को पार कर दिया। कुछ असामाजिक तत्वों ने धर्मेंद्र जी के घर में घुसकर उनकी निजता का उल्लंघन किया। बिना अनुमति के परिवार के सदस्यों के फोटो-वीडियो बनाए गए और सनसनी फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए। आईएफएटीडीए ने इसे पूरी तरह अमानवीय, अनैतिक और गैर-कानूनी बताया है। अशोक पंडित ने कहा, हमारे सिनेमा के दिग्गज कोई वस्तु नहीं हैं, वे इंसान हैं। बीमारी और निजी संकट के समय भी उनकी गरिमा का सम्मान करना चाहिए। यह व्यवहार न सिर्फ नैतिक रूप से गलत है, बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले निजता के अधिकार का भी उल्लंघन है। यह भारतीय दंड संहिता और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के तहत आपराधिक अपराध है।

लेटर में आगे लिखा है, आईएफएटीडीए ने स्पष्ट किया कि इस तरह की हरकतें सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, पूरी फिल्म इंडस्ट्री की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं और मीडिया की विश्वसनीयता को भी कम करती हैं। एसोसिएशन ने पुलिस से अपील की है कि दोषियों की तुरंत पहचान की जाए, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

अनिल अंबानी पूछताछ के लिए ईडी के मुख्यालय नहीं पहुंचे, वर्चुअल पेशी की भी नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस एडीएजी ग्रुप के चेयरमैन अनिल डी.अंबानी को किसी भी तरह की वर्चुअल पेशी की अनुमति नहीं दी है। यह जानकारी शुक्रवार को सूत्रों की ओर से दी गई। अनिल डी.अंबानी को बैंक फ्रॉड मामले में दूसरे दौर की

पूछताछ के लिए शुक्रवार (14 नवंबर) को ईडी के दिल्ली मुख्यालय में पेश होना था, लेकिन वह नहीं पहुंचे। हालांकि, उन्होंने वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा है। ईडी के सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी को ईमेल के माध्यम से वर्चुअल रूप से पेश होने की उनकी इच्छा की जानकारी मिली थी, लेकिन ईडी ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी है।

अनिल डी. अंबानी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया था कि वह सभी मामलों में ईडी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है और वे वर्चुअल माध्यम से पेश हो सकते हैं।

बयान में आगे कहा गया, अनिल डी. अंबानी को ईडी की ओर से भेजा गया समन फेमा जांच से संबंधित है, न कि पीएमएलए के किसी मामले से इसका जुड़ाव है।

बयान में आगे कहा गया, अनिल डी. अंबानी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने अप्रैल 2007 से मार्च 2022 तक लगभग पंद्रह वर्षों तक कंपनी में केवल एक गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया और कंपनी के डे-टू-डे मैनेजमेंट में कभी शामिल नहीं रहे। ईडी ने समूह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को 14 नवंबर को फिर से तलब किया था। अगस्त में ईडी मुख्यालय में कथित 17,000 करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले में उनसे लगभग नौ घंटे तक कड़ी पूछताछ हुई थी।

मुद्रकों ने जताया आभार मुख्यमंत्री का

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य के मुद्रकों के प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर पाठ्यपुस्तक निगम के मुद्रण व्यवस्था को यथावत रखे जाने हेतु मुख्यमंत्री का आभार जताया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में प्रत्येक वर्ष निगम द्वारा मुद्रकों को पेपर आबंटित कर मुद्रण कार्य करवाया जा रहा था, विगत 2 वर्ष से विभिन्न परिस्थितियों के चलते मुद्रण कार्य शिक्षा सत्र प्रारंभ होने के समय ही संपन्न हो पा रहा था, जिसके चलते व्यवस्था में परिवर्तन कर कागज का आबंटन निगम द्वारा ना किए जाने की चर्चा व्याप्त थी, परन्तु मुख्यमंत्री ने प्रदेश के रोजगार एवं राजस्व का ध्यान रखते हुए राज्य के मुद्रकों के हित में मुद्रण

व्यवस्था को यथास्थिति बनाए रखने की पहल की और आगामी वर्ष के लिए पेपर आबंटन के साथ मुद्रण कार्य किए जाने निर्देशित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से मुद्रकों के हित में लिए गए इस निर्णय का प्रदेशभर के मुद्रकों ने स्वागत किया है, और आज एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आभार प्रदर्शित किया। मुद्रकों ने इस अवसर पर शिक्षामंत्री श्री गजेन्द्र यादव व पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पांडेय के प्रति भी आभार प्रदर्शित किया। मुद्रकों के प्रतिनिधि मंडल के साथ चर्चा में निगम के अध्यक्ष श्री पांडेय ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के सुचारू संचालन में निगम के दायित्वों का हमें बोध है परन्तु राज्य के मुद्रकों के हितों का भी मानवीय दृष्टिकोण के साथ ख्याल रखा जाना चाहिए। उन्होंने मुद्रकों द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अल्प अवधि में किए गए मुद्रण कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष प्रदेश में मुद्रण कार्य अप्रैल से प्रारंभ कर जून-जुलाई से पूर्व ही रिकॉर्ड अल्प अवधि में संपन्न किया गया है। इस विशेष अवसर पर निगम अध्यक्ष ने आगामी वर्ष के लिए व्यवस्था को पारदर्शी बनाए जाने पर भी चर्चा की। निगम अध्यक्ष के साथ संक्षिप्त मुलाकात में मुद्रण संस्थानों की ओर से पवन दुबे (चैनल इंडिया), अश्विनी मिश्रा (भारती प्रिंटर्स), ब्रजेश शुक्ला (दैनंदिनी), दीपक खडतकर (समय दर्शन), तरूण शर्मा (स्वास्तिक), भारद्वाज इंटरप्राईजेस, सुमित ग्राफिक्स एवं अंकित प्रकाशन के प्रतिनिधि शामिल थे।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में बड़ी कार्रवाई

पुलवामा में आतंकी उमर नबी के घर को आईईडी से उड़ाया

श्रीनगर (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार बम धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच तेज करते हुए कठोर कार्रवाई की है। इसी क्रम में मुख्य आरोपी बताए जा रहे आतंकी डॉ. उमर नबी के पुलवामा स्थित घर को सुरक्षाबलों ने पूरी तरह ढहा दिया। अधिकारियों के मुताबिक यह ऑपरेशन गुरुवार और शुक्रवार की मध्यरात्रि को गुप्त रूप से चलाया गया।

घटना से जुड़े प्रारंभिक निष्कर्षों में सामने आया है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई हुंडई i20 कार उसी रात उमर नबी द्वारा चलाकर दिल्ली लाई गई थी, जिसमें बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी। सोमवार रात हुए इस धमाके

ने आसपास के इलाकों को हिलाकर रख दिया, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। घायलों में कुछ की स्थिति अभी भी गंभीर बताई जा रही है।

जांच एजेंसियों ने घटनास्थल से प्राप्त डीएनए नमूनों का विश्लेषण किया, जिन्हें बाद में उमर की मां से लिए गए नमूनों से मिलान कर उसकी पहचान की पुष्टि की गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने उमर के संभावित ठिकानों और संपर्कों की खोज के लिए इलाके में तलाशी अभियान और भी तेज कर दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, उमर नबी पहले एक प्रतिभाशाली और अकादमिक रूप से मेधावी युवा के रूप में जाना जाता था। बताया जाता है कि वह अपने क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा माना जाता था, लेकिन पिछले दो वर्षों में उसके व्यवहार और विचारधारा में बड़ा बदलाव देखा गया। जांच अधिकारियों का मानना है कि इसी अवधि में वह धीरे-धीरे कट्टरपंथी तत्वों के संपर्क में आया।

सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस हमले की साजिश कहां और कैसे रची गई, तथा इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान क्या है। घाटी और दिल्ली—दोनों जगहों पर संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी जारी है। वहीं, स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अफवाहों से

अब भी है ऑपरेशन सिंदूर का खौफ..इस देश से ड्रोन खरीदेगा पाकिस्तान, भारत की पैनी नजर

नई दिल्ली। भारत की खुफिया एजेंसियां पाकिस्तान और यूक्रेन के बीच ड्रोन तकनीक के संभावित हस्तांतरण पर कड़ी नजर रख रही हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह सौदा यूरोप की एक ड्रोन निर्माता कंपनी और पाकिस्तान की सरकारी रक्षा कंपनी हेवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला के बीच तय किया गया है, जिसे पाकिस्तान गुप्त रखने की कोशिश कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है जब पाकिस्तान अपनी ड्रोन युद्ध क्षमता बढ़ाने में जुटा है। मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाक सेना यूक्रेन, रूस और कई यूरोपीय ड्रोन कंपनियों से संपर्क में थी। वह मध्यम ऊंचाई और लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन हासिल करना चाहता है।

गिद्धों जैसा व्यवहार बंद करो', मीडिया की बेरुखी पर भड़के निकितिन धीर

मुंबई। दिवंगत अभिनेता पंकज धीर के बेटे और एक्टर निकितिन धीर ने सोशल मीडिया पर मीडिया के अमानवीय व्यवहार को लेकर जमकर लताड़ लगाई।

अभिनेता ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा कि हाल ही में अपने पिता को खोने के बाद उन्होंने खुद देखा कि कुछ पपराजी इंसानियत को कितनी आसानी से भूल जाते हैं।

निकितिन ने लिखा, मैंने अपने दिल का एक टुकड़ा खोया और देखा कि तथाकथित पपराजी कितने घिनौने हो सकते हैं। ऐसा लगता ही नहीं कि आप इंसानों से घिरे हैं, बल्कि गिद्धों से घिरे हुए हैं।

उन्होंने हाल के दो उदाहरण भी दिए, पहला, जब अभिनेता जितेंद्र को उनकी कमजोर हालत में भी बेरहमी से फिल्माया गया और व्यूज के लिए उनकी मजबूरी का मजाक उड़ाया गया। दूसरा, वर्तमान में जब दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र बीमार हैं, तब भी कुछ लोग उनके घर के बाहर कैमरे लेकर तमाशा कर रहे हैं।

एमपी भीषण सड़क हादसे में 5 मौत, मुंबई से दिल्ली से जा रही कार 8 लेन एक्सप्रेस-वे से खाई में गिरी

रतलाम/झाबुआ (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के रतलाम से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। भीषण सड़क हादसा में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। कार महाराष्ट्र पासिंग की बताई जा रही है। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत और बचाव में जुट गई। मृतकों की शिनाख्ती नहीं हो पाई है। दरअसल दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे पर रतलाम और झाबुआ जिले की सीमा में एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। मरने वालों में एक 15 वर्षीय बच्चा और एक 60 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल हैं। यह दुर्घटना रतलाम जिले के रावटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत भीमपुरा गांव के पास माही नदी ब्रिज से ठीक पहले शुक्रवार सुबह करीब 7.30 बजे हुई। वाहन क्रमांक रू।03 रु 1388 रजिस्ट्रेशन नंबर की कार एक्सप्रेस वे की रेलिंग तोड़कर अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी।

प्राथमिक सूचना के अनुसार, कार सवार जो कि मुंबई निवासी से दिल्ली से मुंबई की ओर जा रहे थे। इस हादसे में कार में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई है। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। रावटी थाना प्रभारी सुरेंद्र गडरिया ने बताया कि इस संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। हादसे के कारणों की जांच जारी है

पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल में एफएलएन मेला का आयोजन

मेला का मुख्य आकर्षण स्नरह्ह कार, बच्चों के द्वारा बच्चों के लिए संचालित स्टॉल,एक स्टॉल एक अवधारणा रहा

बसना(समय दर्शन)। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, डीएमसी रेखराज शर्मा के निर्देशानुसार विकास खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कँवर, विकास खंड स्त्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा अनिल सिंह साव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुरूप कक्षा तीसरी तक के प्रत्येक बच्चों को बुनियादी साक्षरता,पढ़ने, लिखने, बुनियादी गणितीय संक्रियाओं एवं संख्या ज्ञान में दक्षता हासिल करने के लिए शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल में एफएल एन मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा तीसरी तक के सभी छात्र-छात्राएं करके देखबो,सीखके रहीबो की भावना से प्रेरित होकर मेले में खेल, पहेलियां, गीत, कविता,गणितीय प्रयोग व संक्रियाएं, संतुलन आधारित गतिविधि,भाषा आधारित गतिविधियां आदि के माध्यम से बच्चों में शारीरिक विकास, बौद्धिक विकास,भाषाई एवं गणितीय विकास का अवलोकन विभिन्न अवधारणाओं के माध्यम से किया गया। इस एफएल एन मेला में बच्चों को बच्चों के लिए संचालित स्टॉल,स्वयं के सीखने वाली गतिविधियों और ऑटो मोड में संचालित एक स्टॉल,एक अवधारणा के तहत स्नरह्ह मेला का आयोजन किया गया। प्रधान पाठक हीराधर साव ने इस अवसर पर कहा कि बुनियादी साक्षरता,संख्या ज्ञान, मजबूत बुनियाद कौशल सभी तरह के बेहतर कौशल सीखने व बेहतर जीवन की नीव प्रदान करता है।

इस दौरान शिक्षक प्रेमचन्द साव,रत्ना कर,आसमा परवीन खान,सरिता सिदार ने शिक्षण विधियों मे सुधार हेतु एफ एल एन मेला की आवश्यकता व गुणवत्ता पर प्रकाश डाले। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अरेकेल के कक्षा तीसरी तक के छात्र -छात्राएं स्वचालित गतिविधियों के माध्यम से,स्वयं स्टॉल लगाकर,एक स्टॉल एक अवधारणा के तहत,भाषा साक्षरता,अक्षर ज्ञान के तहत् वर्ण पहेली,शब्द निर्माण, चित्रों से शब्द निर्माण,स्वर व्यंजन खेल, पर्ची उठाकर कहानी,कविता,गीत सुनाना,पठन कौशल हेतु छोटे छोटे वाक्य बनाने के लिए पॉकेट कार्ड का उपयोग,स्नरह्ह किट का प्रयोग, संख्या ज्ञान के लिए संख्या पहचान गतिविधियों के माध्यम से वस्तु,गेंद,कंचा,ठोस वस्तु से गणना,जोड़ मशीन का उपयोग,मापन तुलना आदि द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सीख पाए।इस मेले में छात्र - छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से मौखिक विकास हेतु जादू की पोटली,वर्ण पहचान के लिए मेरा रींग मेरा वर्ण,शब्द निर्माण अवधारणा के लिए ऊंगली फिराओ,शब्द बनाओ स्टॉल,मौखिक भाषा विकास अवधारणा के लिए पर्ची उठाओ करके बताओ स्टॉल,जोड़ अवधारणा के लिए जोड़ मशीन स्टॉल,आकृतियों की समझ अवधारणा के लिए आकृतियों की पहचान स्टॉल सहित कई अवधारणाओं के लिए अनेक स्टॉल का निर्माण किया गया था।

बाल दिवस पर विभिन्न स्कूलों में किया गया विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

बेमेतरा(समय दर्शन)। श्रीमती सरोज नंद दास, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के मार्गदर्शन में एवं श्रीमती अनिता कोशिमा रावटे, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के निर्देशानुसार नालसा के स्टेट प्लॉन ऑफएक्सन वर्ष 2025-26 के तहत विशेष दिवस ''बाल दिवस'' 14 नवम्बर 2025, का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के द्वारा बच्चो के अधिकारों, शिक्षा और कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, बेमेतरा, शासकीय प्राथमिक शाला मोहभट्ठा, शासकीय प्राथमिक शाला फरी, शासकीय प्राथमिक शाला भिनपुरी एवं शासकीय प्राथमिक शाला बोर्ड, साजा में किया गया। कार्यक्रम में अधिकार मित्रों के द्वारा बाल दिवस के अवसर पर स्कूलों में बच्चों के रूचि अनुरूप खेल-कूल, रंगोली, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं विजेता छात्र-छात्रों को प्रोत्साहन स्वरूप गिफ्ट दिया गया साथ ही अन्य छात्र-छात्रों को चॉकलेट, बिस्कीट का वितरण किया गया। विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से बाल विवाह, निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा (आरटीई) अधिनियम, 2009, बाल श्रम, पॉक्सो एक्ट, चाईल्ड ट्रैफिकिंग, गुड टच बेड टच एवं बाल विवाह से संबंधित विषय पर लघु फिल्म प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखा कर बच्चों को जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम में सभी स्कूलों के प्रधान पाठक, शिक्षक, शिक्षिकाएं, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के अधिकार मित्र श्री टुवेन्द्र वर्मा, श्री चेतन सिंह, श्री पंकज घृतलहरे, श्री पवन साहू, कु. स्वाति कुंजाम, श्री संजीव शर्मा, श्री देवेन्द्र यादव, श्री धरमु बारले, नागेश सिन्हा की उपस्थिति रही।

संस्कार द राइजिंग स्कूल परसकोल में बाल दिवस धूमधाम से मनाया

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाटक, संगीत एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों ने बच्चों को किया उत्साहित

बसना(समय दर्शन)। संस्कार द राइजिंग स्कूल परसकोल बसना में इस वर्ष का बाल दिवस अत्यंत उत्साह, जोश और सौहार्द के वातावरण में मनाया गया।

प्रतिवर्ष 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के रूप में मनाया जाने वाला बाल दिवस बच्चों के लिए एक विशेष अवसर माना जाता है। इसी क्रम में विद्यालय में भी सुबह से ही विद्यार्थियों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। छोटे बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लिया और बाल दिवस को यादगार बना दिया।

पूजा-अर्चना से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का आगाज विद्यालय के संचालक गण—ओमप्रकाश अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, ममता अग्रवाल, मेघा अग्रवाल एवं अलीशा अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती की पूजा-अर्चना कर किया गया। इस दौरान पूरे परिसर में भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल रहा। कार्यक्रम के दौरान मंच सजावट, फूल-मालाओं और छात्रों द्वारा बनाए गए पोस्टरों ने बाल दिवस की गरिमा को और बढ़ाया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

स्कूल की शिक्षिका गीतांजलि पटेल ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर पूरे सभागार को आध्यात्मिकता से भर दिया। उनकी मधुर वाणी ने कार्यक्रम की शुरुआत को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

इसके बाद संगीत शिक्षक आकाश तांडी ने अपने मधुर गीतों की प्रस्तुति से बच्चों और शिक्षकों का मन मोह लिया। वहीं शिक्षक चिंतामणि साहू द्वारा तबला वादन ने कार्यक्रम की सांगीतिक गुणवत्ता को और निखारा। विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया।

नाटकों के माध्यम से मिली सीख

विद्यालय के किड्स सेक्शन के शिक्षकों ने 'अनुशासन और आदतों की भूमिका' विषय पर आधारित एक शिक्षाप्रद नाटक प्रस्तुत किया।

इसके बाद हायर सेकेंडरी कक्षा के शिक्षकों ने 'मोबाइल और इंटरनेट का सही उपयोग' विषय पर नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक में आधुनिक तकनीक की उपयोगिता और जोखिमों को मजेदार अंदाज में दिखाया गया, जिसे वरिष्ठ विद्यार्थियों ने बहुत सराहा।

शिक्षकों ने दिए प्रेरणादायक विचार

शिक्षिका नेहा प्रधान और शिक्षक पुष्कर देवता सहित अन्य शिक्षकों ने बाल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और बाल दिवस स्वयं में बच्चों की क्षमता, सृजनशीलता और ऊर्जा का उत्सव है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन, नैतिकता और समय पालन जैसी जीवन मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी।

विद्यालय के प्राचार्य संजय तिवारी ने अपने प्रेरक संबोधन में सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों को देश की असली ताकत मानते थे, और इसलिए बाल दिवस बच्चों की प्रतिभा को निखारने का दिन है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ अनुशासन, मेहनत, शिक्षकों के सम्मान और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी।

ज्ञानवर्धक गतिविधियों से बढ़ा उत्साह

कार्यक्रम के बीच में शिक्षिका ज्योत्सना प्रधान और नफीसा परवीन ने बच्चों से सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रश्नोत्तरी के विजेता बच्चों को मंच से सम्मानित भी किया गया। अंत में शिक्षिका स्टेला कंवर ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्टाफको धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन स्मृति दास ने कुशलता से किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएँ, कक्षा प्रभारी, कार्यालय कर्मचारी एवं स्कूल स्टाफउपस्थित रहे। पूरे विद्यालय में उत्साह, उमंग और उल्लास का माहौल छाया रहा। विभिन्न गतिविधियों और प्रस्तुतियों ने बाल दिवस के कार्यक्रम को अत्यंत यादगार बना दिया।

किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन इंग्लिश मीडियम स्कूल बंसुला में धूमधाम से मनाया गया बाल दिवस

बसना(समय दर्शन)। किड्स एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन इंग्लिश मीडियम स्कूल बंसुला में बुधवार को बाल दिवस उत्साह, उमंग और विविध सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ भव्य रूप से मनाया गया। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की जयंती पर बच्चों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बाल-प्रेम, अनुशासन और आदर्शों को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत डायरेक्टर आर.के. दास के नेतृत्व में पं. जवाहर लाल नेहरू जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से हुई। तत्पश्चात केक काटकर बाल दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बच्चों ने तालियों की गूंज के बीच 'चाचा नेहरू' के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

कार्यक्रम को आकर्षक और मनोरंजक बनाने के लिए विद्यालय में कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। मनमोहक डांस प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। सलाद मेकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने स्वास्थ्य के संदेश के साथ आकर्षक और स्वादिष्ट सलाद तैयार किए, वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता सबसे बड़ा आकर्षण का केन्द्र रहा। जिसमें बच्चों ने डॉक्टर, सैनिक, वैज्ञानिक, किसान, नर्स, स्वतंत्रता सेनानी और परीकथाओं के पात्र बनकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

समारोह में विद्यालय परिवार के सभी सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विशेष रूप से प्राचार्य भगवती जगत, उप प्राचार्य नंदिनी प्रधान, ऊषा बीसी, हसीना बेगम, तन्नू निशा, वसुधा साव, सबनम जौहरी, आरती नाग, दीपिका साव, परमानंद पटेल, गणेश सिदार, प्रशांत देवता एवं पालक गण की उपस्थिति रही।

विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनका सर्वांगीण विकास ही संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। अंत में सभी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

पूरे दिन विद्यालय परिसर बच्चों की हंसी, उत्साह और रंगीन गतिविधियों से खिल उठा।

बाल दिवस पर बालकों के खिले चेहरे

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला बोहरपार विकासखंड बसना में बाल दिवस मनाया गया ।

सर्वप्रथम पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया ।तत्पश्चात छात्र-छात्राओं को प्रधान पाठक श्रीमती तस्मिता साहू द्वारा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू जी के जीवन परिचय के बारे में बताया । उक्त अवसर पर तिलकराम नायक सहायक शिक्षक के द्वारा बाल मोटिवेशनल गीत गाया गया । सुरेश कुमार साहू के द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के कर्तव्य, निष्ठावान, शिष्टाचार ,विनोद प्रियता से संबंधित छोटी-छोटी कहानी बताया गया ।नेहा , गीता दिलेश्वरी एवं साथियों ने बहुत ही सुंदर नृत्य किया। विद्यालय की ओर से समस्त छात्र-छात्राओं को डायरी और पेन का वितरण किया गया ।तत्पश्चात एफ एल एन मेला का आयोजन किया गया। जिसमें पालकों के द्वारा बच्चों की कार्यक्रम में पर्ची उठाओ पढ़कर दिखाओ, शब्द पहचान, उंगली फिराएं, शब्द बनाओ ,आकृति पहचान, मुझे मेरी जगह बताओ आदि गतिविधि में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम से सभी बच्चे खिलखिला उठे ।उक्त अवसर पर ललित, सुरज लातीश लक्ष्मी बाई, श्रद्धांजलि , गुरुवारी सुषमा, विनोदिनी , हेमलता ,बृंदावती हीरा मोती तरुणी मंजिला आदि उपस्थित थे ।कार्यक्रम का संचालन सुरेश कुमार साहू ने किया।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से पूर्व प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

महासमुन्द(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देशानुसार आज जिले में विभिन्न स्थानों पर संयुक्त टीम द्वारा अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 557 कट्टा/बोरी धान जब्त किया गया ।ग्राम कोमाखान में एक किराना दुकान से 100 कट्टा धान जब्त किया गया। ग्राम टेमरी (तह. कोमाखान) में 100 कट्टा अवैध धान की जब्ती की गई।

नर्रा चेकपोस्ट में 40 कट्टा अवैध धान बरामद जप्त किया गया। ग्राम गनेकेरा में 105 पॉकेट अवैध धान जप्त किया गया तथा तहसील सराईपाली के ग्राम मोहन्दा में फुटकर व्यापारी के गोदाम से 212 बोरी अवैध धान जब्त किया गया ।इस तरह कुल जब्त धान: 557 कट्टा/बोरी जप्त किया गया। समस्त जप्त धान को संबंधित थाना में सुपुर्द किया गया।

सभी मामलों में मंडी अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी से पूर्व अवैध धान के क्रयङ्क्तविक्रय एवं भंडारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

गुरुकुल स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता व उत्सव आनंद मेला के साथ मनाई बाल दिवस

कवर्धा(समय दर्शन)। नगर की प्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम संस्था गुरुकुल पब्लिक स्कूल कवर्धा में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता व उत्सव आनंद मेला के साथ बाल दिवस मनाया गया। कक्षा नर्सरी से कक्षा 5वीं तक के नन्हे मुन्ने बच्चों का फैशन शो प्रतियोगिता व कक्षा 6वीं से 12वीं के छात्र/छात्राओं द्वारा उत्सव आनंद मेला का नयनाभिराम आकर्षक व भव्य रूप में आयोजन किया गया।

फैशन शो प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि मीनू अग्रवाल, आरती गुप्ता, प्रिया केशरवानी, अजली चंद्रवंशी, नीलम पारख, शिखा जैन तथा मेघा यादव ने निर्णायक के रूप में अपनी महती भूमिका निभाई तथा उत्सव फन फेयर के विशिष्ट अतिथि के रूप में दीप शर्मा तथा आकाश आहुजा सदस्य कैट, कवर्धा मंचासीन थे। अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेटकर आत्मीय स्वागत किया गया। नन्हें मुन्ने

बच्चों ने विविध रंगारंग व आकर्षक परिधानों से सुसज्जित होकर कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिया व दर्शक दीर्घा की वाहवाही लूटी। कक्षा 6वीं से 12वीं के छात्र/छात्राओं ने विविध व्यंजनों से पंडाल सजाकर अपनी पाक कला का प्रदर्शन कर सभी को रसास्वादन कराकर प्रशंसा का पात्र बनकर शाला की गरिमा व सहगामी कियाकलापों में स्वर्णिम इतिहास रचकर उत्कृष्ट ज्वलंत उदाहरण प्रस्तुत किया। पूरा विद्यालय प्रांगण इस आयोजन से सुसज्जित व सुशोभित होता हुआ अनुपम छटा बिखेर रहा था। फैशन शो प्रतियोगिता में नन्हे मुन्ने बच्चों ने बहुरंगी पोशाक धारण कर विविध किया कलापों के द्वारा दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम व सांत्वना पुरस्कार माननीय विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उत्सव फन मेला के मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने कार्यकम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अतिथियों को शाला का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। शाला के प्राचार्य मनोज राय ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यालय प्रबंधन को हार्दिक बधाइयों व साधुवाद देते हुए कहा की बच्चों के लिये फैशन शो प्रतियोगिताएँ स्कूल में नर्सरी से 5वीं तक के लिये एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चे उत्सुकता से इसका इंतजार करते है। विविध व्यंजनों को बनाना छात्र/छात्राओं के लिये जीवन जीने की महत्वपूर्ण कला है। उत्सव फन मेला की व्यवस्था व जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी लगन निष्ठा के साथ विद्यालयीन परिवार द्वारा किया गया। शाला के मीडिया प्रभारी ने बताया कि पूरे शहर में गुरुकुल के इन कार्यक्रमों की सकरात्मक चर्चा हो रही है। पालक अभिभावक एवं शहर के गणमान्य बुद्धिजीवीगण गुरुकुल को साधुवाद दे रहे है, कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण उन्नति में तथा विशिष्ट कौशल विकास में गुरुकुल सदेव प्रतिबद्ध है। इस मनमोहक, आकर्षक नयनाभिराम कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्था के अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारीगण, ने कहा कि भविष्य में विद्यार्थियों के हित में विद्यालय अपने संसाधनों का अधिकतम उपयोग करेगा जो कि संस्था का एकमेव ध्येय है।

संक्षिप्त-खबर

बिहार में जीत, पाटन में भाजपाइयों मनाया जश्न, स्वामी आत्मानंद चौक में बांटे मिठाई, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के लगाए नारे

पाटन (समय दर्शन)। बिहार में भाजपा और उनके घटक दल की एकतरफा हुई जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ता खुशियां मना रहे है। पाटन नगर में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने स्वामी आत्मानंद चौक पर खुशी का इजहार किया। नगर पंचायत अध्यक्ष निक्की भालेज जनपद अध्यक्ष कीर्ति नायक सहित पार्षदों और जनपद सदस्यों ने भाजपा का झंडा लहराकर खूब नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। फटाखे फोड़कर मिठाई भी बांटी गई।

ब्यास कश्यप के प्रयास से भुंडी नाला एवं गेमन पुल निर्माण की मिली स्वीकृति

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। विधायक ब्यास कश्यप के लगातार प्रयास से भुंडी नाला पर पुल निर्माण एवं पुराने एन.एच. पर हसदेव नदी में जर्जर गेमन उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। ज्ञात हो कि जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने पहले उपरोक्त दोनों कार्यो को वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल कराया। उसके बाद लगातार विभागीय मंत्री एवं सचिव से मुलाकात कर उक्त कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति दिलाई। रा.रा.क्र. 49 से जांजगीर चांपा के मध्य लछनपुर के पास भुंडी नाला में पुल निर्माण के लिए 5 करोड़ 41 लाख 10 हजार रूपये तथा जिला जांजगीर-चांपा के पुराना एन.एच. पर हसदेव नदी में जर्जर गेमन उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग निर्माण के लिए 15 करोड़ 86 लाख 75 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विदित हो कि इसके पूर्व में भी जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप के प्रयास से कई महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई है, जिनमें ग्राम धाराशिव से रोगदा मार्ग लंबाई 3.80 कि.मी. लागत राशि 4 करोड़ 27 लाख 69 हजार रूपये, तथा ग्राम सरखों-औंराईकला नहर पार होते हुए पाली पहुंच मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी. लागत राशि 4 करोड़ 36 लाख शामिल है। ब्यास कश्यप की मांग पर ही जिला जाजगीर-चांपा के विद्यमान सड़कों के रोड सेफ्टी आडिट रिपोर्ट के अनुसार सड़क सुधार एवं सुरक्षा उपाय कार्य के लिए 2 करोड़ 23 लाख 59 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। उपरोक्त कार्यो की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों ने अपने सक्रिय विधायक ब्यास कश्यप के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

जनजातीय गौरव दिवस- भगवान बिरसा मुंडा जयंती जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब होंगे शामिल

महासमुंद(समय दर्शन)। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 15 नवम्बर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब होंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्य आयोजन जिला पंचायत महासमुंद सभागार में दोपहर 2.00 बजे से प्रारंभ होगा। दोपहर 3.15 बजे से 4.00 बजे तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लाइव कार्यक्रम प्रसारित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होंगे।

कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी, उनके संघर्षों तथा जनजातीय समाज के उत्थान में उनके अमूल्य योगदान पर केंद्रित विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही सम्मान समारोह का भी आयोजन होगा, जिसमें जनजातीय समाज के उत्कृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना प्रशिक्षण हेतु आवेदन 25 नवम्बर तक

मुंगेली(समय दर्शन)। जिला कौशल विकास प्राधिकरण मुंगेली द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना (वित्तीय वर्ष 2025-26) के अंतर्गत युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने आवेदन 25 नवंम्बर तक आमंत्रित किया गया है। सहायक परियोजना अधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत कुल 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे, जिनमें ड्राईवल मशीन ऑपरेटर, सोलर टेक्निशियन (इलेक्ट्रिकल), ऑटोमोटिव सर्विस टेक्निशियन, असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, फील्ड तकनीकी प्रतिनिधि, टैली अकाउंटिंग, फूड एंड बेवरेज स्टुअर्ड, फ्रंट ऑफिस एग्जीक्यूटिव, फिटनेस ट्रेनर, डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा हेल्थकेयर सेक्टर के तहत जनरल ड्यूटी असिस्टेंट जैसे कोर्स शामिल हैं। इन प्रशिक्षणों में शामिल होने के इच्छुक 18 से 45 वर्ष तक की आयु वर्ग के युवक-युवतियाँ आवेदन कर सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान आवश्यक सुविधाएं एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

निर्माण के साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की भी करें जांच, टिकाऊ हो निर्माण - डॉ. कमलप्रीत सिंह

लगातार तीसरे दिन पीडब्लूडी की समीक्षा बैठक, सड़क व भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा

रायपुर । लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने आज बिलासपुर और अंबिकापुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं तथा सभी कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर सड़क और भवन निर्माण के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्माण कार्यों के साथ ही निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की भी जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों और भवनों के टिकाऊ निर्माण पर जोर दिया। डॉ. सिंह ने अधिकारियों से कहा कि गुणवत्ताहीन काम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खराब काम के लिए जवाबदेही तय कर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी और अपर सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव भी बैठक में शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने स्वीकृत कार्यों की निविदा जल्द जारी करने तथा सड़क मरम्मत के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों की मरम्मत का काम दिसम्बर तक पूर्ण करने को कहा। उन्होंने जिन नए कार्यों के लिए निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, उन्हें अभियान चलाकर तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने गति अवरोधकों (स्श्चद्गद्गस्र ढ्ढह्वद्वश्चह्य) का निर्माण मानकों के अनुरूप करने के साथ ही सड़कों से ब्लैक-स्पॉट हटाने के लिए प्राथमिकता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को लगातार दौरे कर निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग करने को कहा।

विभागीय सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने नई सड़कों के निर्माण और पुरानी सड़कों के चौड़ीकरण के कार्यों के लिए भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विभाग द्वारा जिन उद्देश्यों के लिए भवन, गोदाम, स्टेडियम, ऑडिटोरियम या अधोसंरचना निर्माण के अन्य काम किए जा रहे हैं, वे लोगों के लिए पूर्णत: उपयोगी हों और वहां की सभी चीजें फंक्शनल स्थिति में हों, इसका विशेष ध्यान रखें। विभाग के कार्यों का पूरा लाभ नागरिकों को मिलना चाहिए।

डॉ. सिंह ने विभाग द्वारा बनाए जा रहे भवनों में अच्छी गुणवत्ता के खिड़की, दरवाजे, टाइल्स, पुट्टी और पेंट का उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन सुंदर और आकर्षक दिखना चाहिए। विभागीय अभियंता इसमें खुद दिलचस्पी लेकर गुणवत्तायुक्त सामग्रियों का चयन करें। इन कार्यों को केवल ठेकेदारों के भरोसे न छोड़ें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के सर्किट हाउसों के रखरखाव, सफाई, कन्ज्युमेबल्स की आपूर्ति तथा सुचारू व्यवस्था के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने बैठक में बिलासपुर और अंबिकापुर परिक्षेत्र के विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन सड़कों और भवनों की प्रगति के साथ ही प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त ऐसे कार्यों जिनकी निविदा आमंत्रित की जानी है, की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी जिलों में प्रस्तावित दस बड़े कार्यों व परियोजनाओं को अमलीजाना पहनाने मैदानी कार्यालयों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की भी समीक्षा की। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने हिर्री से बिल्हा पहुंच मार्ग का काम आगामी 31 मार्च तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चंद्रपुर-डभरा-खरसिया-धरमजयगढ़-पत्थलगांव मार्ग के उन्नयन एवं नवीनीकरण कार्य को तेजी से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने 59 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत के कोनी-मोपका बाइपास तथा 116 करोड़ 53 लाख रुपए लागत के 39 किमी लंबाई के नांदघाट-मुंगेली मार्ग के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य के लिए निविदा की कार्यवाही जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बाल दिवस पर मंत्री वर्मा बने बच्चों के प्रेरणास्रोत,जगाई आत्मविश्वास की लौ

रायपुर । बाल दिवस के अवसर पर शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय, मठपुरैना रायपुर का माहौल आज विशेष उत्साह से भर गया, जब राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा बच्चों से मिलने पहुँचे। मंत्री श्री वर्मा का बच्चों, शिक्षकों और प्राचार्य श्री ए.के. त्रिवेदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की जय और छत्तीसगढ़ महतारी की जय के गगनभेदी नारों के साथ हुई। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रत्येक छात्र के भीतर अपार शक्ति और अद्भुत संभावनाएँ हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जीवन में कभी हताशा या निराशा को स्थान न दें। एक सर्कस के हाथी की कथा सुनाकर उन्होंने समझाया कि मन में हिम्मत हो तो कोई बंधन रोक नहीं सकता।उन्होंने कहा कि भगवान ने हर व्यक्ति को अनोखी प्रतिभा दी है। आप जो चाहें, बन सकते हैं और कर सकते हैं। बस स्वयं पर भरोसा रखें। मंत्री श्री वर्मा ने इस मौके पर विद्यालय के पूर्व छात्र एवं अब प्रोफेसर श्री उत्तम वर्मा को विशेष बधाई दी, जिनके आग्रह पर वे व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी विद्यालय पहुँचे। उन्होंने कहा कि वचन का सम्मान करना उनका कर्तव्य है। बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत और नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। मंत्री वर्मा ने बच्चों द्वारा बनाई गई पेंटिंग और कलाकृतियों को भी सराहा। साथ ही उन्हें बच्चों के साथ छत्तीसगढ़ का राजगीत गाने का अवसर भी मिला, जिसने कार्यक्रम को और विशेष बना दिया।उन्होंने शिक्षकों को पालक व मार्गदर्शक बताते हुए उनके समर्पण की प्रशंसा की और विद्यालय की बताई गई आवश्यकताओं पर सकारात्मक समाधान का आश्वासन दिया।अंत में मंत्री श्री वर्मा ने बच्चों के उवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सरकार हमेशा उनके साथ है और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ शासन
आवास एवं पर्यावरण विभाग
मंत्रालय,
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर
// सूचना //

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 11/11/2025

क्रमांक LAND/1804/2025-HOUSING/32 : छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 23-क (1) एवं (2) के अन्तर्गत बेमेतरा विकास योजना 2031 में अत्यावश्यक लोक प्रयोजनार्थ उपांतरण करने का अनंतिम निर्णय लिया है। अधिनियम की धारा 23-क (2) के अधीन राज्य शासन एतद् द्वारा प्रस्तावित उपांतरण के निम्नानुसार प्रारूप को क्षेत्र के सर्वसाधारण के निरीक्षण हेतु अवलोकनार्थ प्रकाशित करता है :-

बेमेतरा विकास योजना 2031 में उपांतरण प्रस्ताव

स. क्र.	ग्राम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (हे.मे)	अंगीकृत बेमेतरा विकास योजना 2031 में प्रस्तावित भू-उपयोग	अधिनियम की धारा 23 क के तहत उपांतरण प्रस्ताव
1	बाबामोहतरा पहनं. 36 तहसील व जिला बेमेतरा	702/2	4.00	सार्वजनिक और अर्ध-सार्वजनिक	आवासीय

2/ उक्त प्रस्तावित उपांतरण बेमेतरा विकास योजना 2031 में अटल विहार योजना हेतु भूखण्ड को सार्वजनिक और अर्द्ध-सार्वजनिक से आवासीय में किये जाने हेतु।

3/ उपांतरण प्रस्ताव की प्रति आयुक्त, संभाग दुर्ग, कलेक्टर, जिला बेमेतरा, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, बेमेतरा के कार्यालयों में कार्यालय समय में (अवकाश के दिनों को छोड़कर) निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

4/ अतः प्रस्तावित उपांतरण से प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से इस सूचना के दो स्थानीय मुख्य दैनिक समाचार पत्रों में एक दिन के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्तियॉ तथा सुझाव आंमत्रित किये जाते हैं। आपत्ति तथा सुझाव निम्नलिखित कार्यालयों में शासकीय कार्य दिवसों में प्रस्तुत किये जा सकते हैं :-

(1) आयुक्त, दुर्ग संभाग, छत्तीसगढ़।
(2) कलेक्टर कार्यालय, जिला बेमेतरा।
(3) संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय, दुर्ग।
(4) मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, बेमेतरा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(देवेन्द्र भारद्वाज)
विशेष सचिव,
छत्तीसगढ़ शासन
आवास एवं पर्यावरण विभाग

जी-252604787/1

फसलों और मिट्टी-पानी में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी करेगा कृषि विश्वविद्यालय

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को एक और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई है। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित फाइटोसैनिटरी लैब अब छत्तीसगढ़ में विभिन्न खाद्यान्न फसलों, फलों, सब्जियों, आदि के साथ ही मिट्टी, पानी जैसे पर्यावरणीय घटको में भी कीटनाशक अवशेषों की निगरानी करेगी। भारत सरकार के कृषि एवं किसान मंत्रालय द्वारा कृषि विश्वविद्यालय के आण्विक जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित फाइटोसैनिटरी प्रयोगशाला को राष्ट्रीय कीटनाशक अवशेष निगरानी योजना के तहत अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। कृषि विश्वविद्यालय की फाइटोसैनिटरी लैब यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की एकमात्र तथा देश की 36वीं प्रयोगशाला है जिसे इस राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि भारत सरकार की इस योजना का उद्धेश्य खाद्य पदार्था, मिट्टी एवं जल जैसे पर्यावरणीय नमूनों में कीटनाशक अवशेषों की नियमित निगरानी कर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, जल गुणवत्ता का मूल्यांकन करना तथा एकीकृत कीट प्रबंधन एवं उत्तम कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहन देना है। प्रयोगशाला को मान्यता मिलने से प्रदेश के किसानों की फसलों के साथ-साथ यहां की मिट्टी-पानी में भी कीटनाशक अवशेषों की निगरानी हो सकेगी। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्रयोगशाला से संबंधित वैज्ञानिकों एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि यह उपलब्धि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक उत्कृष्टता तथा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं किसान कल्याण के प्रति विश्वविद्यालय की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में फाइटोसैनिटरी प्रयोगशाला की स्थापना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता से हुई है। इस प्रयोगशाला के संचालन के लिए भी केन्द्र और राज्य सरकार से नियमित सहायता प्राप्त हो रही है। प्रयोगशाला में खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों, हेवी मेटल्स, सूक्ष्मजीवों आदि की जांच की जाती है जिससे इनके निर्यात हेतु मदद मिलती है।

देश की एकता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर कोरबा में 'यूनिटी मार्च' का भव्य आयोजन

रायपुर। देश के पहले उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर कल कोरबा नगर में भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया। यह आयोजन 15 ब्लॉक सरदार पटेल सामुदायिक भवन व परिसर से प्रारंभ होकर कोसाबाड़ी चौक स्थित निर्मला कान्वेंट स्कूल परिसर में संपन्न हुआ।

देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द्र के प्रतीक सरदार पटेल की स्मृति में निकाली गई इस रैली में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं, विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारत माता की जय, सरदार पटेल अमर रहें और वंदे मातरम् के उद्घोष से शहर का वातावरण देशभक्ति से गुंजायमान रहा। यूनिटी मार्च सरदार वल्लभभाई पटेल परिसर से आरंभ होकर नगर के प्रमुख चौक ट्रांसपोर्ट नगर चौक, सीएसईबी पूर्व चौक, अटल परिसर-विवेकानंद उद्यान, घंटाघर चौक, सुभाष चौक होते हुए कोसाबाड़ी चौक तक पहुँची। यूनिटी मार्च के शुभारंभ के दौरान अतिथियों ने पहले सरदार वल्लभभाई पटेल जी के प्रतिमा में माल्यार्पण किया। इसके बाद मार्च आगे बढ़ी और ढोढ़ीपारा विवेकानंद उद्यान के पास अटल परिसर में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी, घण्टाघर चौक में डॉ. भीमराव अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सुभाश चौक निहारिका में नेताजी सुभाषचंद्र बोस और कोसाबाड़ी चौक में लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कोसाबाड़ी में कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने लौहपुरूष सरदार पटेल के देश निर्माण में उनके बहुमुल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। देश के आजादी के बाद देशी रियासतों के भारत में विलयीकरण की जटिल जिम्मेदारी को उन्होंने अपनी सूझ-बुझ एवं अडिग कार्यकुशलता से संपन्न किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने हैदराबाद, जूनागढ़, कश्मीर और भोपाल जैसी रियासतों को भारत में विलय कर राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधा।

सतर्क रहेंः सुरक्षित डिजिटल ट्रांजैक्शन के स्मार्ट तरीकों के बारे में जानें

नई दिल्ली : भारत की वित्तीय व्यवस्था लगातार विकसित हो रही है और पैसों के लेन-देन का तरीका बदल रहा है, क्योंकि लोग अब यूपीआई, कार्ड पेमेंट, ई-कॉमर्स और रिटेल आउटलेट जैसी सुविधाओं का ज़्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे एक बड़ा बदलाव आया है। बात चाहे गहनों के खरीद की हो, लाइफस्टाइल से जुड़ी ज़रूरी चीज़ों को अपग्रेड करने और बेहतर अनुभव वाले ट्रैवल बुकिंग की हो, या फिर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ढूंढने की बात हो, ग्राहक रिटेल और ई-कॉमर्स दोनों जगहों पर हमेशा सबसे अच्छे डील की तलाश में रहते हैं। आजकल उपभोक्ताओं द्वारा डिजिटल तरीकों के उपयोग को सबसे ज्यादा पसंद किए जाने, और पैसों के तुरंत लेन-देन में आसानी की वजह से खर्च करने का तरीका बदल रहा है। मूल्य के लिहाज से देखा जाए, तो ई-कॉमर्स सबसे बड़ा माध्यम बना हुआ है, क्योंकि सितंबर 2025 में क्रेडिट कार्ड से होने वाले कुल खर्च में इसकी हिस्सेदारी 66.4 प्रतिशत थी। स्रोत: (ईटी बीएफएसआई.). यूपीआई, क्रेडिट कार्ड और डिजिटल वॉलेट जैसे डिजिटल भुगतान के तरीकों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, ग्राहकों के लिए ज़रूरी है कि वे पैसों के ऑनलाइन लेन-देन के समय सावधान रहें, ताकि उन्हें डील्स और ऑफर नर्स का भरपूर फायदा मिले, साथ ही वे सुरक्षित व सुविधाजनक तरीके से भुगतान का अनुभव ले सकें। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली सबसे बड़ी कंपनी, एसबीआई कार्ड ने अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी जागरूकता सप्ताह के अवसर पर ग्राहकों से यही अनुरोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

रायपुर। देश के पहले उप प्रधानमंत्री और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर कल कोरबा में आयोजित यूनिटी मार्च कार्यक्रम में पंहुचे मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सरदार पटेल परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने बादाम के पौधे रोपित कर पौधे के सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रेमलता यादव भी उपस्थित थी।

तान नदी पर दायीं तट का कटाव रोकने 4.23 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा कोरबा जिले के विकासखण्ड- पोंडी-उपरोड़ा के अंतर्गत लेपरा से पोंडी उपरोड़ा तक तान नदी के दायीं तट का कटाव रोकने के लिए बैंक प्रोटेक्शन कार्य हेतु 4 करोड़ 23 लाख 35 हजार रुपए स्वीकृत किए गए है। योजना का कार्य पूर्ण कराने के लिए जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से मुख्य अभियंता, मिनिमाता (हसदेव) बांगो परियोजना, जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

चिंतलनार-बुरकापाल के ग्रामीणों को मिली नि:शुल्क इलाज व आयुष्मान कार्ड की सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की परिकल्पना के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं को जिले के सबसे दुर्गम कोनों तक पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को नियद नेल्लानार योजना के तहत पूरा किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर घने जंगलों के बीच बसे सुकमा जिले के कोंटा ब्लॉक के चिंतलनार और बुरकापाल जैसे पहुंचविहीन क्षेत्रों में तीन दिवसीय विशाल स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। घने जंगलों के बीच पेड़ की छांव में सजे इस शिविर में वह स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचीं, जिनसे यह अंचल अब तक वंचित था। यह शिविर ग्रामीणों के लिए दोहरी सौगात लेकर आया, जहाँ उन्हें तत्काल इलाज की सुविधा मिली।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव की अगुवाई में विकासखंड चिकित्सा अधिकारी कोंटा डॉ. दीपेश चंद्राकर ने तीन दिन तक शिविर लगाकर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम के साथ मोर्चा संभाला। घने जंगलों के बीच, पेड़ की छांव में ही ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई, उनका उपचार किया गया और आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर का एक बड़ा लाभ यह रहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ प्रशासन की टीम ने मौके पर ही 162 ग्रामीणों के नवीन आयुष्मान कार्ड भी बनाए। कुछ ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया। ये कार्ड इन ग्रामीणों को भविष्य में गंभीर बीमारियों के लिए भी नि:शुल्क उपचार का लाभ प्राप्त करने में मदद करेंगे।इस पहल से उन ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है, जो अब तक बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से दूर थे। ग्रामीणों ने इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों से उन्हें अपने स्वास्थ्य की जांच कराने और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का एक सुनहरा अवसर मिला है।

शिव मंदिर में भजन कीर्तन का आयोजन 27 को

रायपुर। कृषि उपज मंडी कांपा दलदल सिवनी मार्ग स्थित शिव मंदिर में 27 नवंबर को अगहन गुरुवार के अवसर पर शाम चार बजे से सात बजे के मध्य भजन कीर्तन का आयोजन किया गया है। दलदल सिवनी के अजय यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त आयोजन में भजन कीर्तन के पश्चात प्रसादी वितरण किया जाएगा। उन्होंने दलदल सिवनी सड्डू क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक की संख्या में उक्त आयोजन में भाग लेने की अपील की है।

आदिवासी परंपराएँ प्रकृति के साथ सामंजस्य : वर्मा

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जन जातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत जनजातीय आजीविका एवं पारंपरिक जनजातीय तकनीकी विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के सेंटर फॉर रूरल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. विवेक कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का संचालन और स्वागत संबोधन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मीना मुर्मू ने किया। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा के योगदान और आदिवासी समाज की परंपराओं पर प्रकाश डाला। डॉ. रमना राव ने आदिवासी तकनीकियों की सस्टेनेबल प्रकृति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ना आवश्यक है।

डॉ. एम. के. वर्मा ने कहा कि आदिवासी परंपराएँ प्रकृति के साथ सामंजस्य में हैं और उनसे सतत विकास के लिए प्रेरणा मिलती है। डॉ. विवेक कुमार ने जनजातीय आजीविका, पारंपरिक तकनीकी और संतुलित विकास पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने पारंपरिक जनजातीय भोजन बासी पखाल के पोषण महत्व और उन्नत भारत अभियान जैसी पहलों की भूमिका पर भी चर्चा की।

संपादकीय

सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, लेकिन इसके भीतर अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- 'भारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है।' अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में योगदान 55 फीसदी से अधिक है, मगर यह कुल रोजगार में इसका हिस्सा एक तिहाई ही है- और उसमें भी ज्यादातर कम वेतन वाली और अनौपचारिक नौकरियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के अंत तक सेवा क्षेत्र में 18 करोड़ 80 लाख लोगों को काम मिला हुआ था। मगर रोजगार का यह क्षेत्र 'गहरे ढांचागत विभाजन' का शिकार है। एक तरफ सूचना तकनीक, वित्त, स्वास्थ्य, और पेशेवर सेवाओं में उच्चस्तरीय रोजगार हैं, तो दूसरी ओर अनौपचारिक क्षेत्र है जिसके भीतर 55.7 प्रतिशत कर्मी स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। बिना सामाजिक सुरक्षा वाले वेतनभोगी कर्मियों की संख्या 29 फीसदी है। 9.2 प्रतिशत लोग घरेलू कामकाज में सहायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि 6.2 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं। स्पष्ट है, सेवा क्षेत्र ज्यादातर कर्मियों को किसी तरह जीने का सहारा भर दे रहा है। लेकिन उससे ऐसे उपभोक्ता तैयार नहीं हो सकते, जो बाजार का विस्तार करें। तो आयोग ने कहा है कि सेवा क्षेत्र के लिए नए नीतिगत नजरिए की जरूरत है, जिसका मकसद इस क्षेत्र को औपचारिक रूप देना हो। मगर ऐसा कह भर देने से तो नहीं होगा! महिलाओं और युवाओं में कौशल विकसित करने, डिजिटल एवं ग्रीन अर्थव्यवस्था की तकनीक में निवेश करते हुए उसके लिए कर्मी तैयार करने, और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीतियां लागू करने जैसे नीति आयोग के सुझाव गौरतलब हैं। मगर मुद्दा यह है कि ये काम कौन करेगा? क्या सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी निजी क्षेत्र पर डालने के लिए वैधानिक उपायों पर सख्ती से अमल के लिए सरकार तैयार है? क्या इसके लिए सरकार अर्थव्यवस्था में हस्तक्षेप की भूमिका अपनाएगी?

राहुल गांधी न डिगे न फिसले

हरिशंकर व्यास

बिहार के चुनाव में कोई जीते-हारे, पर राहुल गांधी की गूंज बढ़ेगी। राहुल गांधी अब वह चेहरा है जो न केवल निडरता का पर्याय है, बल्कि अकेला चेहरा है, जिससे भारत में विपक्ष जिंदा दिखता है। सोचें राहुल गांधी नहीं होते तो तेजस्वी हों या अखिलेश या कांग्रेस के एक्स-वाई-जेड नेता उनसे मोदी सरकार का क्या बिगड़ना था? तब प्रधानमंत्री मोदी का विरोध तो दूर उन्हें टोकने वाला भी नहीं होता। याद करें कि अरविंद केजरीवाल से ले कर ममता बनर्जी, नवीन पटनायक, वाम मोर्चे के नेताओं के पिछले ग्यारह वर्षों में मोदी सरकार, भाजपा, आरएसएस और हिंदू राजनीति के खिलाफ क्या सुर निकले हैं? जो अखबार-मीडिया कभी प्रधानमंत्रियों याकि वाजपेयी-मनमोहन की सरकारों के खिलाफ गला फाड़ चिल्लाता था वह मोदी राज में कैसा रेंगता हुआ है! लोकतंत्र की तमाम एजेंसियां, अदालत हों या सीएजी या चुनाव आयोग कैसे आज मौन या मिमियाते हुए हैं? हां, ग्यारह वर्षों में मोदी सरकार ने प्रमाणित किया है कि हिंदुओं से ज्यादा भयाकुल, भूखा, झूठा जनमानस दुनिया में बिरला है। लोगों को झुकने के लिए कहो तो रेंगते हैं और दो हजार, पांच हजार, दस हजार रुपए की रेवड़ियों, सरकारी खैरात में लोकतांत्रिक स्वाभिमान, ईमानदारी को बेच खाते हैं। जुमलों, झांकियों और सरकारी खौफ में कथित पढ़े-लिखे भी वैसे ही हुकूम बजाते हैं, जैसे सदियों पहले अकबर के दरबार या ईस्ट इंडिया कंपनी के हरकारे बन कर बजाते थे। इस सबके बीच में कौन सी एक बुलंद आवाज है? वे है राहुल गांधी! इसलिए क्योंकि राहुल गांधी बिका नहीं। राहुल गांधी झुका नहीं। राहुल गांधी डरा नहीं। न ही राहुल गांधी भूखा, लालची या भ्रष्ट है तो यह क्या 140 करोड़ लोगों की भीड़ में अनहोनी नहीं? मैंने वाजपेयी के समय में भी लिखा था (और वह सही हुआ था) तथा मोदी-शाह के समय में भी लिखा है कि वाजपेयी का शाइनिंग इंडिया सोनिया गांधी का अवसर है। ऐसे ही राहुल घर बैठे कहे तब भी देरसबेर निर्भयता के बूते उभरेंगे। वाजपेयी के समय प्रमोद महाजन, जसवंत सिंह, वेंकैया-अनंत-जेटली-सुषमा, ब्रजेश मिश्रा ने अपने-अपने अहंकारों में वाजपेयी में खूब हवा फूंकी, शाईनिंग इंडिया हुआ बताया। सोनिया गांधी के जीरो अवसर। और क्या हुआ? वैसे ही अब अमित शाह, योगी और संघ परिवार नरेंद्र मोदी की झांकियों-लीलाओं में अवतार बूझते हैं। भारत विकसित, आत्मनिर्भर, विश्वगुरू और सुपर पॉवर वाला हो गया है, जबकि जमीनी हकीकत की नोटबंदी से ऑपरेशन सिंदूर की दास्तान का असल भारत अलग ही है। पर मोदी-शाह की वेस्ट इंडिया कंपनी की वही खूबी है जैसे ईस्ट इंडिया कंपनी के चंद अंग्रेजों (सिर्फ कुछ हजार) ने अपनी भाव-भंगिमा, वेशभूषा, चेहरे की लाली, मुनाफे-व्यापार-पैसे से कभी बंगाल-बिहार-अवध के हिंदुस्तानियों में जादू, तिलिस्म बनाया था। उसी बूते वे फैलते गए तो मोदी राज भी फैला है। 2014 में हल्ला बनाने के नए औजारों जैसे सोशल मीडिया, 3डी होलोग्राफिक रैलियों, नमो रथ तथा छप्पन इंची छाती के जुमलों से शुरू हुआ सिलसिला लगातार चला हुआ है और भक्त माने हुए है कि नरेंद्र मोदी अवतार हैं और उनका कोई विकल्प नहीं है। इस सबके बावजूद विरोध की एक आवाज! और वह राहुल गांधी की! इस आवाज को पिछले ग्यारह वर्षों में खत्म करने के लिए क्या नहीं हुआ? उसे पप्पू करार दिया। कांग्रेस को खत्म करने की हर संभव कोशिश हुई। कांग्रेसियों का दलबदल करा उन्हें मंत्री बनाया। मुकद्मे किए। राहुल गांधी को अभियुक्त बनाया। जेल में डालने के भय से लेकर भगोड़ा करार देने, उन्हें भ्रष्ट, चरित्रहीन करार देने के हर संभव उपाय और प्रचार हुए! बावजूद इसके राहुल गांधी न डिगे न फिसले। सोचे, जहां एक कांस्टेबल या लाठी से अंबानी-अडानी से लेकर अफसर, गरीब-गुरबे सभी घबरा उठते है वही ऐसे समाज में राहुल गांधी का निर्भयी विरोध क्या मतलाब है? और यह सवाल ही हैरानी पैदा करने वाला है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के जनादेश के मायने

कमलेश पांडे

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने राज्य की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस बार बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन रिकॉर्ड सीटों के साथ भारी बहुमत से सत्ता में लौट रहा है, जबकि महागठबंधन (राजद-कांग्रेस गठबंधन) को गंभीर झटका लगा है। चुनाव परिणाम के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि एनडीए ने 243 में से 200 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित की है, जिसमें बीजेपी को 91, जेडीयू को 81 एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 21 सीटें मिली हैं।

वहीं, विपक्षी महागठबंधन महज 38 सीटों पर सिमट गया है, जिसमें राजद 26, कांग्रेस 4 और वामदल (सीपीआई, सीपीएम आदि) 6 सीटों पर आगे दिखे। ये आंकड़े अनंतिम हैं। इसमें मामूली बदलाव सम्भाव्य है। मतदाता प्रतिशत 66.91त्न के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, महिलाएं 71.6त्न की हिस्सेदारी के साथ निर्णायक भूमिका में रहीं।

इन नतीजों के मायने दिलचस्प हैं- पहला, शासन और नेतृत्व पर असर: चुनाव परिणाम ने डबल इंजन की सरकार यानी केंद्र-राज्य एक ही साझा गठबंधन के फॉर्म्युले पर जनता की मुहर को मजबूती दी है। इससे राज्य में स्थिरता, नीति निरंतरता तथा केंद्र से सहयोग की उम्मीद है। एनडीए में बीजेपी की सीट्स जेडीयू से अधिक हैं, जिससे भाजपा का राज्य के सत्ता-समीकरण, मंत्रिमंडल गठन और नीतियों पर कड़ा प्रभाव होगा।

दूसरा, विपक्ष के लिए संदेश: राजद और महागठबंधन की हार, खासकर युवा व महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में एनडीए की ओर जाने के कारण हुई है, जिससे विपक्षी वृत्तियों को खुद की रणनीति और नेतृत्व की समीक्षा करनी होगी।

तीसरा, सामाजिक-राजनीतिक पटल पर प्रभाव: वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा-स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता है; वहीं जाति-आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है।

चतुर्थ, राष्ट्रीय राजनीति के लिए संकेत: बिहार का परिणाम 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले एनडीए के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल और संदेश देता है कि क्षेत्रीय गठबंधन नीति और विकास एजेंडा कारगर है।

वहीं, एक सवाल यह भी है कि बिहार परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति पर असर क्या होगा? तो जवाब होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर कई स्तरों पर असर पड़ेगा। बिहार जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से अहम राज्य में बीजेपी-जेडीयू गठबंधन की सफलता विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कमजोर करती है, जबकि एनडीए की नीतियों और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलती है।

राष्ट्रीय राजनीति का नया समीकरण: एनडीए की जीत से प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व की लोक-प्रियता को बड़ा सहारा मिला है। इससे भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव 2029 और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में रहेगी। बिहार के नतीजे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एनडीए के लिए गति और उदाहरण बनेंगे।

वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन में अंदरूनी फूट, नेतृत्व संकट और जमीनी कमजोरियां उजागर हुई हैं। कमजोर प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन के भविष्य, नेतृत्व और संयुक्त रणनीति को लेकर गंभीर सवाल पैदा होंगे। साथ ही, ममता बनर्जी (प. बंगाल), अखिलेश यादव (यूपी) जैसे क्षेत्रीय नेताओं के लिए भी बिहार का परिणाम मार्गदर्शक होगा कि उन्हें अपनी गठबंधन संरचना पर पुनर्विचार करना पड़ेगा।

नीतिगत और समाजिक प्रभाव: बिहार में एनडीए की सरकार के विकास-कार्य, स्वास्थ्य-शिक्षा और महिला-सशक्तिकरण एजेंडा राष्ट्रीय स्तर पर भी प्राथमिकता पा सकता है। वहीं, महिलाओं और युवाओं के बड़े हिस्से का समर्थन एनडीए को मिला, इससे सामाजिक सुधार और चुनावी रणनीति में इन वर्गों का महत्व बढ़ेगा। वहीं, भाजपा और जेडीयू में सीटों के समीकरण से भी केंद्रीय सत्ता में गठबंधन के आंतरिक समीकरण बदल सकते हैं, खासकर मोदी सरकार 3.0 में सहयोगी दलों की भूमिका बढ़ सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव पर असर: बिहार परिणाम ने भाजपा को 2029 चुनाव के लिए मनोबल, रणनीति और समर्थन का ठोस आधार दिया है। विपक्षी गठबंधन को फ्रि से खुद को संगठित और प्रासंगिक साबित करने की चुनौतियां मिली हैं। बिहार जैसे राज्य का चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा, गठबंधन व्यवस्था और चुनावी मुद्दों को गहराई से प्रभावित करता है। 2025 के नतीजे ह्ढ को केंद्र में मजबूती व विपक्ष को नए सिरे से आत्ममंथन का संकेत देते हैं।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणाम न केवल प्रदेश की सत्ता राजनीति में बड़ा बदलाव लाते हैं, बल्कि विकास, नेतृत्व बदलाव और जातीय राजनीति जैसे अहम मुद्दों पर भी गहरा असर डालते हैं। यह परिणाम केंद्र-राज्य संबंध तथा विपक्ष की राजनीति पर भी दूरगामी असर करेंगे।

वोट बैंक के कारण होते हैं धार्मिक आयोजनों में हादसे

योगेंद्र योगी

आंध्र प्रदेश में काशीबुग्गा शहर के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। मंदिर एक निजी तीर्थस्थल था, जो धर्मस्व विभाग के तहत पंजीकृत नहीं था। कार्यक्रम आयोजकों ने इतनी बड़ी भीड़ के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी। राज्य सरकार को इस कार्यक्रम के बारे में पहले से सूचित नहीं किया गया था। देश में होने वाले धार्मिक आयोजनों में लापरवाही और कानून के उल्लंघन की सत्तारुढ़ दल और नेता अनदेखी करते रहे हैं। इसकी प्रमुख वजह कि कहीं उनका वोट बैंक हाथ से नहीं खिसक नहीं जाए। इसलिए वे कानून उल्लंघन से होने वाले संभावित हादसों की अनदेखी करते हैं। अन्यथा यह संभव नहीं है कि धार्मिक स्थलों पर किसी एक हादसे के बाद ऐसे हादसों की देश में पुनरावृत्ति होती रहे। वेकंटेश्वर मंदिर में हुआ हादसा इसका नया प्रमाण है।

ये पहली बार नहीं है, जब किसी मंदिर में ऐसा हुआ हो, इससे पहले भी हजारों लोगों की ऐसी घटनाओं में दर्दनाक मौत हो चुकी है। साल 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में 350 से अधिक भक्तों की कुचलकर मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश में साल 2008 में नैना देवी मंदिर मची भगदड़ में 162 की जान गई थी। 30 सितम्बर 2008 को राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम की अफ्वाह से मची में 250 श्रद्धालु मारे गए। 27 अगस्त 2003 को महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में पवित्र स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 39 लोग मारे गए। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोग मारे गए । भगदड़ की शुरुआत इस अफ्वाह से हुई कि जिस नदी के पुल को श्रद्धालु पार कर रहे थे, वह टूटने वाला है।

31 मार्च, 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। 14 जनवरी, 2011 को केरल के इडुक्की जिले के सबरीमाला में पुलमेदु में एक जीप से लौट रहे तीर्थ यात्रियों से टकरा गई, जिससे भगदड़ मच गई जिसमें कम से कम 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 3 अक्टूबर 2014 को दशहरा समारोह में पटना के गांधी मैदान में भगदड़ से 32 लोगों की मौत हो गई। इसी तरह 19 नवंबर 2012 को पटना में गंगा नदी के तट पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल टूटने से लगभग 20 लोग मारे गए। 1 जनवरी, 2022 को जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में भगदड़ से 12 लोगों की मौत हो गई।

14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में 'पुष्करम' त्योहार के उद्घाटन के दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ मचने से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई। 8 नवंबर 2011 को हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हर-की-पौड़ी घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोग मारे गए थे। 4 मार्च 2010 को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ मचने से लगभग 63 लोगों की मौत हो गई थी। लोग स्वयंभू बाबा से मुफ्त कपड़े और भोजन लेने के लिए एकत्र हुए थे। हरिद्वार मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई 2025 को करंट फैलने की अफ्वाह के बाद भगदड़ मची, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई। 3 मई, 2025 को गोवा के शिरगांव गांव में श्री लाईराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान अचानक भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 29 जनवरी 2025 को प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान भगदड़ मचने से 30 लोगों की मौत हो गई। हालांकि बाकी रिपोर्ट्स में आंकड़े काफी ज्यादा बताए गए। इन हादसों में घायलों की संख्या भी हजारों में रही।

इन सभी हादसों में एक बात समान है कि भीड़ जमा हुई थी और लोगों ने अपनी जान गंवाई। लेकिन ऐसी घटनाएं बार-बार लौट कर पुराने हादसों के जख्म हरे कर देती हैं। बड़ा आयोजन, बड़ी भीड़ और बड़े हादसे। लेकिन सवाल यह है कि आखिर धार्मिक आयोजन में क्यों मचती है भगदड़ और कैसे मरते हैं लोग? अक्सर जब हादसे होते है, जांच रिपोर्ट सामने आती हैं तो प्रशासनिक गलती सामने आती है। आस्था, नाकाफी इंतजाम, कम जगह में ज्यादा श्रद्धालु और मौसम को दोषी ठहराया जाता है। कई हादसों की जांच रिपोर्ट में कहा गया कि जब भगदड़ मची तो लोग एक दूसरे पर गिरने लगे, लोग एक दूसरे को कुचलते हुए आगे बढ़ते गए। रिपोर्ट में कई बार तो कहा गया कि अफ्रातफ्री के बीच लोगों की मौत दम घुटने को लेकर हुई।

एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 से लेकर 2019 के बीच देश दुनिया में भगदड़ की बड़ी घटनाएं हुए उनमें करीब 79 फीसदी मामले धार्मिक आयोजन के दौरान हुए थे। रिपोर्ट के अध्ययन के अनुसार भारत में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ के प्रमुख कारणों में भौगोलिक स्थान का विशेष महत्व है। भगदड़ की वजह पहाड़ी क्षेत्रों जैसे ढाल, दलदली इलाका, कीचड़ युक्त मैदान, खड़ी ढलान और बारिश से बचाव के इंतजाम न होने के चलते होता है। जबकि विदेशों में म्यूजिक कंसर्ट, स्टेडियम और नाइट क्लबों में होता है। आयोजन स्थल पर भीड़ कितनी आएगी, स्थान विशेष पर कितना लोगों का दबाव होगा, इसकी सटीक जानकारी और बेहतर इंतजाम हो तो हादसे को कंट्रोल किया जा सकता है।

भारत की श्रम संहिताएं: अनौपचारिकता से समावेशन की ओर

कार्तिक नारायण

जैसे विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने भीतर देख रहे हैं। ऐसे में भारत को भी औपचारिक, औचित्यपूर्ण और गरिमामय रोजगार पैदा कर आगे बढ़ना होगा।समूची दुनिया में आव्रजन को लेकर चिंता, अर्थव्यवस्थाओं और राजनीतिक व्यवस्थाओं को नया स्वरूप दे रही है। वैश्विक प्रतिभाओं का स्वागत करने वाले देश अब बदल रहे हैं, वे वैश्विक प्रतिभाओं के लिए पुल बनाने के बजाय अवरोध पैदा कर रहे हैं। उन्होंने प्रतिभाओं की तलाश अपने अंदर ही शुरू कर दी है। भारत इस बदलती हुई दुनिया में संपन्नता के लिए सिर्फ प्रतिभाओं के निर्यात पर निर्भर नहीं रह सकता। हमें उत्पादन के साथ ही अवसरों के लिहाज से भी आत्मनिर्भर बनना होगा। इसके जरिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी प्रगति के साथ ही देश में अच्छे भुगतान वाले, मानकीकृत और गरिमापूर्ण रोजगार पैदा हों। मार्टिन लूथर किंग ने एक समय कहा था, ''मानवता को ऊपर उठाने वाले हर श्रम की गरिमा और महत्व है। इसे श्रमसाध्य उत्कृष्टता के साथ किया जाना चाहिए।'' भारत की नई श्रम संहिताएं इस आदर्श को जमीन पर उतारने की दिशा में एक कदम हैं। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश को बनाने, आगे ले जाने और शक्ति देने वाले लाखों लोग सिर्फ कामगार नहीं हों, बल्कि प्रगति में हिस्सेदार बनें। इन संहिताओं का लक्ष्य अनौपचारिकता को समावेशन, स्वेच्छा को आंकड़ों और असुरक्षा को सुदृश्यता से बदल कर काम की गरिमा बहाल करना है।

भारत का श्रम परिवेश वर्षों से पैबंदों वाली दरी के समान रहा है। देश के 29 श्रम कानून बेशक अच्छे इरादे से लाए गए हों लेकिन सब मिल कर अस्पष्टता पैदा करते रहे थे। इसके परिणामस्वरूप अकुशलता का संतुलन दिखाई पड़ता था। कामगार में असुरक्षा थी और नियोक्ता संदेह में रहते थे। सरकार ने इन कानूनों को वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल सुरक्षा की चार संहिताओं में पिरो देने का फैसला किया। यह कदम सिर्फ एक प्रशासनिक सुधार नहीं है। आधुनिकीकरण के इस अभियान में स्वीकार किया गया है कि संरक्षण और उत्पादकता को एक साथ मिलकर बढ़ना चाहिए।

इस सुधार का संबंध दृश्यता से है। नियुक्तिपत्र, वेतन की पर्ची और डिजिटल रिकॉर्ड के बिना कामगार, सरकार और बाजार दोनों की ही नजरों से ओझल रहता है। औपचारीकरण इस स्थिति में बदलाव लाता है। लिखित प्रमाण वाला हर रोजगार एक ऐसा जीवन पैदा करता है जिसकी मान्यता हो। हर डिजिटल रिकॉर्ड सामाजिक सुरक्षा से लेकर बीमा और गतिशीलता तक जाने वाला पुल होता है। यह बदलाव नियोक्ताओं को भी अनिश्चितता के बजाय एक ढांचा और स्वेच्छा की जगह आंकड़े प्रदान करता है। नियुक्ति के हर संबंध का रिकॉर्ड हो तो विश्वास को एक बुनियाद मिल जाती है।

वेतन को ही लें। भारत में विभिन्न राज्यों और उद्योगों की अलग-अलग हजारों न्यूनतम मजदूरी दरें थीं। आस-पड़ोस के जिलों के कामगारों तक को एक ही काम के लिए काफी अलग-अलग रकम मिलती थी। वेतन संहिता में मजदूरियों की एक समान परिभाषा के साथ राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी स्थापित की गई। इसके जरिए सुनिश्चित किया गया कि किसी को भी एक गरिमापूर्ण न्यूनतम सीमा से नीचे मजदूरी नहीं मिले तथा समान कार्य के लिए एक बराबर मजदूरी सिर्फ आडंबर नहीं, बल्कि नियम बन जाए। इससे श्रम के एक से दूसरे स्थान पर गमन में भी मदद मिलती है। इस संहिता ने सुनिश्चित किया कि एक से दूसरे राज्य में जाने वाले मजदूर के वेतन के अधिकार भी उसके साथ चलें।

औद्योगिक संबंध संहिता लचीलेपन और निष्पक्षता के बीच एक समान संतुलन बनाती है। भारत की अर्थव्यवस्था अब विनिर्माण, सेवाओं और तेज़ी से बढ़ते गिग क्षेत्र का मिश्रण है। लॉजिस्टिक्स, खुदरा और निर्माण जैसे कई उद्योग मौसमी माँग और परियोजना-आधारित कार्य के साथ संचालित होते हैं। निश्चित अवधि के अनुबंध अब वैध और मानकीकृत हो गए हैं। अब कंपनियां वेतन या लाभ की समानता से समझौता किए बिना नियुक्ति कर सकती हैं। कर्मचारियों के लिए लचीलेपन का मतलब अब असुरक्षा नहीं है। पुनर्कौशल निधि का निर्माण प्रतिक्रियात्मक कल्याण से सक्रिय रोज़गार की ओर बदलाव का संकेत है। नौकरी छूटने का मतलब अब चट्टान से गिरना नहीं है, यह नया सीखने और पुन: प्रवेश करने का एक सेतु बन जाता है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता यह मानती है कि भारत का कार्यबल अब फ़ैक्टरियों तक ही सीमित नहीं है। ड्राइवर, डिलीवरी पार्टनर और फ्रीलांसर जैसे काम डिजिटल अर्थव्यवस्था के नए निर्माता हैं और अब सुरक्षा के दायरे में भी हैं। यह स्वीकार करते हुए कि काम की प्रकृति बदलती रहती है लेकिन सुरक्षा की ज़रूरत नहीं बदलती, नए प्लेटफ़ॉर्म उनके कल्याण के लिए केंद्रीय कोष में योगदान देंगे। स्व-मूल्यांकन, संगठित फाइलिंग और डिजिटल रिकॉर्ड, कागज़ों के ढेर की जगह पारदर्शिता और फाइल का शीघ्र पता लगाने की क्षमता बढ़ाते हैं। इससे अनुपालन सरल हो जाता है और नीति-निर्माण अधिक स्मार्ट हो जाता है।

प्रतिष्ठा और सुरक्षा पर ध्यान देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संहिता केवल व्यवसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियां हेलमेट और रेलिंग लगाने के बारे में ही नहीं बनाई गई हैं। यह कार्यस्थल पर सम्मान के लिए बनाई गई हैं। नियुक्ति पत्र अनिवार्य हो गए हैं, स्वास्थ्य जाँच के मानक बनाये गए हैं और महिलाएँ अब सभी क्षेत्रों और शिफ्टों में काम कर सकती हैं, बशर्ते सुरक्षा उपायों में ऐसा प्रावधान सुनिश्चित किया गया हो जिससे बड़ी संख्या में महिलाएँ कार्यबल में शामिल हो सके। प्रवासी मज़दूर, जिन्हें लंबे समय से अपने ही देश में बाहरी समझा जाता रहा है, अब जहाँ भी वे काम करते हैं, कल्याणकारी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। यह समावेशन का वास्तविक रूप कहा जा सकता है।

सरलीकरण को शायद सबसे कम होने वाले लाभ के रूप में आंका गया है। अब 29 की बजाय एक पंजीकरण, एक लाइसेंस, एक रिटर्न भरना है। निरीक्षक अब सुविधा प्रदाता हैं। अनुपालन की बातचीत दंड की बजाए साझेदारी की ओर बढ़ रही है। छोटे उद्यमों के लिए जो भारत के रोज़गार की रीढ़ हैं, उनकी सुविधा के लिए अब अनुमोदन के लिए कम और व्यवसाय निर्माण के लिए अधिक समय है। औपचारिकता सिर्फ कागजी कार्रवाई नहीं है, यह उत्पादकता बढ़ाती है।

कार्यान्वयन में समय लग सकता है। राज्यों को अपने नियमों को एक समान बनाना होगा, डिजिटल प्रणालियों को सुचारू रूप से काम करना होगा, और नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों को एक दूसरे के अनुकूल बनाना होगा। लेकिन दिशा मायने रखती है। ये संहिताएँ एक स्पष्ट संकेत देती हैं। भारत एक ऐसा देश बनना चाहता है जहाँ नौकरियाँ न केवल सृजित हों, बल्कि उनकी गणना भी हो जिनमें लचीलापन और निष्पक्षता हो और जहाँ श्रमिक और नियोक्ता समान भागीदार हों, न कि एक दूसरे के विरोधी।

विश्व भर के देश प्रतिभाओं के लिए अपने अंदर की ओर देख रहे हैं। भारत को अपनी घरेलू श्रम प्रणाली को मज़बूत करना होगा जो पारदर्शी, सुवाह्य और निष्पक्ष हो। इन सुधारों का असली फ़ायदा तब महसूस होगा जब भारत का विकास न केवल ज़्यादा रोज़गारों से, बल्कि बेहतर औपचारिक, उच्च-वेतन और सम्मानजनक रोज़गार से भी प्रेरित हो।

इन सुधारों का अगर सावधानी और निरंतरता के साथ क्रियान्वयन किया जाए, तो ये सुधार भारत की कार्यप्रणाली को नया रूप दे सकते हैं। ये अनौपचारिकता को समावेशिता में और काम को गरिमा में बदल सकते हैं। इसको सही रूप में व्यक्त करने के लिए कर्नाटक के 12वीं सदी के बासवन्ना के इस शाश्वत संदेश कायाकावे कैलासा- काम ही स्वर्ग है से बेहतर शायद ही कोई और विचार हो। उनका आंदोलन मोची से लेकर विद्वान तक, ईमानदारी से किए गए हर पेशे को पवित्र मानता था। नई श्रम संहिताएँ इसी भावना को आगे बढ़ाती हैं कि गरिमा पद में नहीं, बल्कि प्रयास में निहित है। क्योंकि अंतत: सुधार की असली परीक्षा उसके पारित होने में नहीं, बल्कि उसको व्यवहार में लाने पर होती है।

लेखक अपना.को के साथ जुड़े हैं और आजीविका के भविष्य, प्रौद्योगिकी और भारत के श्रम सुधारों पर लिखते हैं।

फल और सब्जियों के सेवन से भी कर सकते हैं पानी की कमी को पूरा

पानी स्वास्थ जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसकी कमी होने पर मनुष्य को कई तरह की बीमारियां घेर सकती है। मानव शरीर का एक तिहाई हिस्सा पानी से बना होने के कारण दिन में इसे भरपूर मात्रा में पीना चाहिए। ताकि शरीर के विषैले पदार्थ आसानी से बाहर आ सकें। पानी की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी नहीं कि केवल इसे पीने से ही पूर्ति होगी। आप कई फल और सब्जियों के सेवन से भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं और जिससे आप हेल्दी भी रह सकते हैं। आज हम आपको ऐसे फलों और सब्जियों के बारे में बताएंगे जिसे खाने से आप अपने शरीर में पानी की पूर्ति कर सकेंगे।

पालक - पालक सेहत के लिए काफी पौष्टिक आहार हैं। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ आयरन की कमी को भी पूरा करता है। पालक में पोटाशियम और फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

खीरा - खीरे का सेवन खाने के साथ सलाद और रायता के रूप में किया जाता है क्योंकि इसमें कई तरह विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करते हैं। यह कब्ज जैसी प्रॉब्लम में भी काफी फायदेमंद होता है।

स्टार फ्रूट - यह स्वाद में खट्टा जरूर होता है लेकिन शरीर में पानी की कमी नहीं रहने देता। इसके अलावा इसमें कई एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन्स पाए जाते हैं जो शरीर को कई बीमारियों से बचाता है।

टमाटर - इसका प्रयोग ज्यादातर सब्जियों, सलाद, सॉस और चटनी बनाने में किया जाता हैं। लेकिन शरीर में पानी की पूर्ति के लिए इसे सलाद के रूप में खाना चाहिए। टमाटर में मौजूद विटामिन सी और आयरन शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

स्ट्रॉबेरी - इसमें ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में पानी की पूर्ति के साथ विटामिन ए, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉलिक एसिड, फास्फोरस आदि की मात्रा को भी पूरा करता है।

अंगूर - अंगूर में ग्लूकोज, मैग्नीशियम और साइट्रिक एसिड पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। यह डायबिटीज के रोगियों के लिए बहुत लाभदायक होते हैं। इसे खाने से प्यास भी कम लगती हैं।

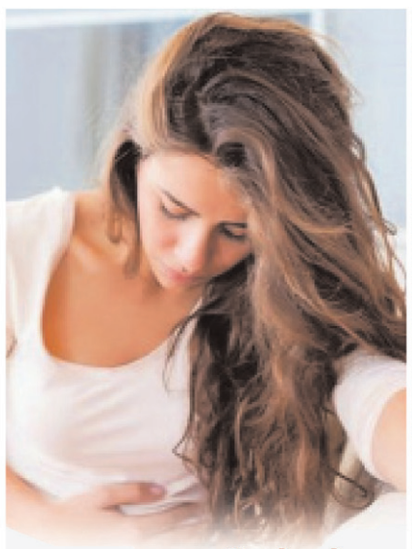

आसान तरीकों से मिलेगी पेट की समस्या से निजात

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नही जाता।

कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रो एंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्ट्रुरअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं। तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के माइकल गर्शन के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैं और अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ से हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्रायः पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है।

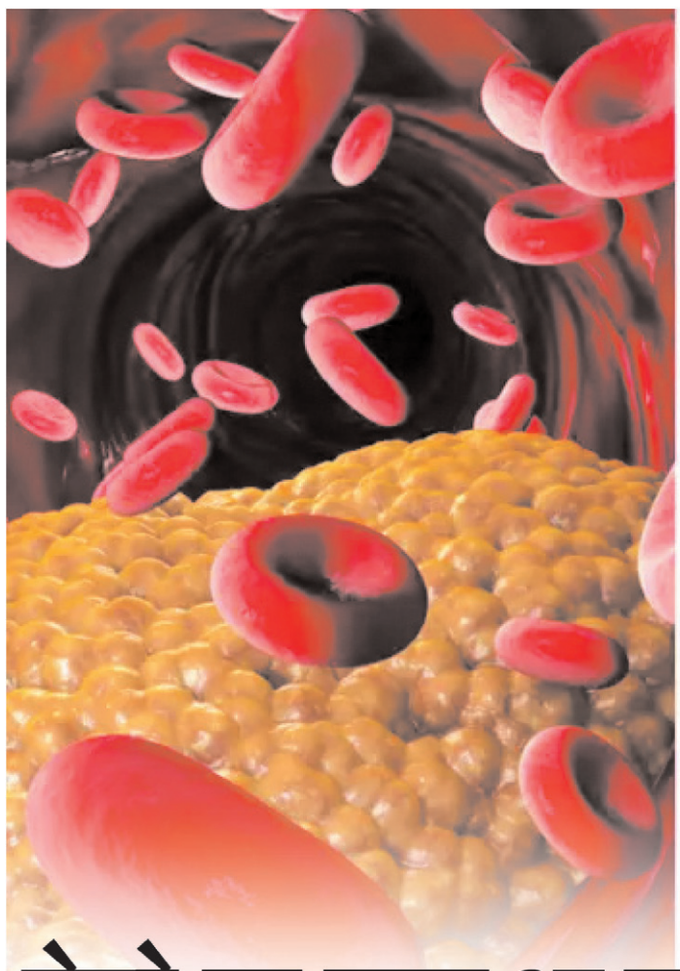

चेहरे पर नजर आ जाते हैं कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के लक्षण

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इस समस्या पर काबू नहीं पाने से आपको नसों के रोग, दिल के रोग, हार्ट अटैक और यहां तक कि स्ट्रोक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा होता है।

कोलेस्ट्रॉल एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो खून में जमा होता है और इसका लेवल बढ़ने से नसों में ब्लॉकेज हो सकती है। सबसे चिंता की बात यह है कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कोई खास लक्षण समझ नहीं आता है और जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यही वजह है कि डॉक्टर समय-समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराने की सलाह देते हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि कोलेस्ट्रॉल के लक्षण या संकेत बिल्कुल ही नहीं दिखते हैं। कुछ ऐसे लक्षण हैं, जो आपको अपने चेहरे पर नजर आ सकते हैं। हम आपको कोलेस्ट्रॉल के कुछ ऐसे लक्षण बता रहे हैं, जो किसी व्यक्ति के चेहरे पर दिखाई दे सकते हैं।

चेहरे पर दिखते हैं ये लक्षण

ज़ेन्थोमास

कई बार पलकों पर मुलायम उभार हो जाता है, जो हल्का पीला सा नजर आता है और छूने में बहुत मुलायम होता है, जिसे ज़ेन्थोमास कहा जाता है। इस स्थिति में पलकों की त्वचा के नीचे मोम जमा हो जाता है।

कॉर्नियल आर्कस

कई बार कॉर्निया के चारों ओर एक पतली सफेद रेखा दिखाई देती है। ऐसा माना जाता है कि कॉर्नियल आर्कस हाई कोलेस्ट्रॉल का एक बड़ा संकेतक है।

यह लक्षण भी दिख सकते हैं मुंह पर

चेहरे, गालों और माथे पर पीले रंग के उभार भी उच्च कोलेस्ट्रॉल का संकेत देते हैं। ये नितंबों, कोहनियों, हाथों और घुटनों पर भी दिखाई देते हैं।

सोरायसिस- यदि आपको अपने चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर त्वचा पर लाल और खुजली वाले धब्बे दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं। इसे सोरायसिस कहा जाता है। यह उन लोगों में भी देखी जाती है जिनके खून में कोलेस्ट्रॉल लेवल अधिक होता है।

सैचुरेटेड फैट से बचें

कोलेस्ट्रॉल का लेवल सैचुरेटेड फैट वाली चीजें जैसे कि रेड मीट, अंडे का पीला हिस्सा और तली हुई चीजों को खाने से बढ़ता है इसलिए इन चीजों का जितना हो सके कम सेवन करें। अपने खाने में प्रोटीन से भरपूर चीजों को अधिक शामिल करें।

रोजाना एक्सरसाइज है जरूरी

नियमित व्यायाम करने से एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) बढ़ सकता है और एलडीएल (बुरा कोलेस्ट्रॉल) को कम किया जा सकता है। यदि आपका वजन बढ़ गया है, तो इसे कम करने का प्रयास करें, क्योंकि वजन कम करने से कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

शराब और स्मोकिंग से बचें

धूम्रपान और अल्कोहल का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा स्ट्रेस को कम करने के लिए ध्यान, योग, और प्राणायाम का प्रयास करें, क्योंकि स्ट्रेस कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने का काम करता है।

फाइबर का अधिक सेवन करें

अपनी डाइट में फाइबर वाले फूड्स जैसे कि अनाज, फल, सब्जियां शामिल करें, क्योंकि यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा घी, मक्खन, और पालमा तेल की जगह जैतून का तेल, नारियल तेल और कैनोला तेल का उपयोग करें।

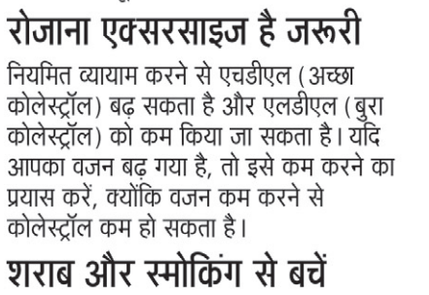

कई खतरनाक बीमारियों से बचाता है मशरूम

मशरूम खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। वैसे तो मशरूम की सब्जी हर कोई खाना पसंद करता है लेकिन शायद ही कोई इसके फायदे जानता हो। एंटी-ऑक्सीडेंट्स, प्रोटीन, विटामिन डी, सेलेनियम और जिंक से भरपूर मशरूम का इस्तेमाल कई दवाइयां बनाने के लिए किया जाता है। इसमें मौजूद पौषक तत्व आपके शरीर को कई खतरनाक बीमारियों से बचा कर रखते है। इसके अलावा इसका सेवन इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। आइए जानते है कई गुणों से भरपूर मशरूम का सेवन करने से आप किन बीमारियों से बच सकते है।

कैंसर का खतरा

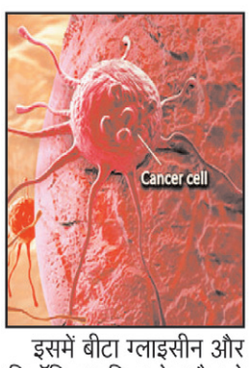

इसमें बीटा ग्लाइसीन और लिनॉलिक एसिड होता है, जो आपको प्रोस्टेट और ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को कम करता है।

इम्युनिटी पावर

सेलिनियम से भरपूर मशरूम इम्यून पॉवर को बढ़ाने के साथ-साथ सर्दी-खांसी और जुकाम जैसी समस्याओं को शरीर से दूर रखते है।

वजन कम करना

मशरूम का सेवन करने से वजन जल्द से जल्द कम करने में मदद मिलती है। आप इसे उबाल कर ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते है।

शुगर लेवल

मशरूम में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा कम होने के कारण यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार होते है। डायबिटीज मरीजों के लिए यह सबसे अच्छा फूड है।

दिल के रोग

इसमें पाएं जाने वाले न्यूट्रिएंट्स और एंजाइम दिल के रोगों का खतरा कम करते है। इसलिए हफ्ते में कम से कम 3 बार इसका सेवन जरूर करें।

पेट की समस्याएं

कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा से भरपूर मशरूम का सेवन अपच, पेच दर्द, कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या को भी दूर करता है।

...तो कमजोर हो रही हैं आपकी आंखें

लैपटॉप, मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने से ज्यादातर लोगों की आंखों में प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती है। कुछ संकेतों से पता चलता है कि आपकी आंखें कमजोर हो रही हैं। ऐसे में उन संकेतों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। आइए, जानते हैं आंखों के कमजोर होने के लक्षण क्या हैं।

आंखों में खुजली होना

लंबे समय तक लैपटॉप पर काम करने से आपकी आंखों में तनाव शुरू हो जाता है। ऐसे में आंखों में खुजली शुरू हो जाती है और आंखें बार-बार रगड़ने का मन करता है।

सुबह उठते ही धुंधला दिखना

सुबह उठने पर कुछ घंटों तक धुंधला दिखाई दे सकता है। ऐसे में आप कितनी बार ही आंखें धो लें लेकिन फिर भी आपको पूरी तरह साफ नजर नहीं आ पाता। उठने के काफी देर बाद आपकी नजर सामान्य होने लगती है।

आंखों से पानी आना

आंखों से पानी आना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। यह समस्या तब और भी बढ़ जाती है, जब आप कुछ लिखते, पढ़ते या फिर देखते हैं। आंखों से पानी आने की समस्या को रोकने का सबसे अच्छा उपाय है कि आंखों में कोई आयुर्वेदिक दवा डालें या फिर आप डॉक्टर से आंखें चेक कराने के बाद उनकी बताई दवा लें।

आंखें लाल होना

आंखों के कोनों का लाल होना भी आंखें कमजोर होने का संकेत है। ऐसी स्थिति में आपकी आंखें लाल ही नहीं होती बल्कि आंखें ड्राई भी हो जाती हैं।

सिरदर्द या सिर के पीछे दर्द

आंखें कमजोर होने पर पूरे दिन सिर में हल्का दर्द हो सकता है। कभी-कभी सिर के पीछे भी दर्द शुरू हो जाता है। खासतौर पर जब आप आंखें झुकाकर नीचे देखते हैं, तो परेशानी बढ़ जाती है।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत सहसपुर लोहारा में जागरूकता कार्यक्रम

कवर्धा (समय दर्शन)। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी के मार्गदर्शन में एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना सहसपुर लोहारा द्वारा जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, विभागीय कर्मचारियों तथा समुदाय के हितग्राहियों की सक्रिय भागीदारी रही।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीमती शिल्पा देवांगन ने विकासखंड स्तरीय अधिकारियों, पर्यवेक्षकों, पंचायत सचिवों, रोजगार सहायकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य उपस्थित जनों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की महत्वता से अवगत कराया एवं बाल विवाह उन्मूलन के लिए सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा एवं भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अतः समाज के सभी वर्गों की संयुक्त

जिम्मेदारी है कि बाल विवाह को हर स्तर पर रोका जाए।

परियोजना अधिकारी सुश्री रीना ठाकुर ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। उन्होंने बताया कि कानून के तहत विवाह की न्यूनतम आयु से कम आयु के बच्चों का विवाह दंडनीय अपराध है तथा इसकी रोकथाम के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए परियोजना अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारियों द्वारा स्कूल, बैंक, दुकान, छात्रावास, सरकारी कार्यालय सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के स्टीकर लगाए गए। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष मिश्रा, जनप्रतिनिधि एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे। नगर पंचायत अध्यक्ष ने भी अभियान के उद्देश्य की जानकारी देते हुए समाज में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया गया। इसके साथ ही ग्राम पंचायत स्तर पर भी समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणाम, कानूनी प्रावधान एवं बाल अधिकारों की जानकारी दी जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह की किसी भी संभावना या सूचना पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं, ताकि बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ एवं सम्मानजनक जीवन प्रदान किया जा सके।

डंगनिया में सरपंच डोनेश्वर साहू के मुख्य आतिथ्य में हुआ एफएल एन मेला

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला डंगनिया में आज एफएल एन मेला 2025 का आयोजन, सरपंच श्री डोनेश्वर साहू के मुख्य आतिथ्य एवं शाला प्रबंधन समिति की अध्यक्ष श्रीमती पूजा वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्रधान पाठक श्री आर.के. घोरमोड़े ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसा अनुरूप कक्षा तीसरी तक के प्रत्येक बच्चे का बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (स्नरह्र) में दक्षता हासिल करने के लक्ष्य प्राप्ति में तीव्रता लाने के उद्देश्य से राज्य के समस्त प्राथमिक विद्यालयों में मेला का आयोजन किया गया।

हमारे विद्यालय में हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषय के स्टाल लगाए गए जिसमें बच्चों के द्वारा बच्चों के लिए स्वयं से सीखने वाली गतिविधियां संचालित थी। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं पालकों ने बच्चों को गतिविधियां करते अवलोकन किया और इस तरह के आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में सरपंच डोनेश्वर साहू, उप सरपंच अनिल वर्मा, पंचगण लक्ष्मी निषाद, अनिता ठाकुर, उदासा यादव, हेमलता वर्मा, प्रबंधन समिति अध्यक्ष पूजा वर्मा, तामेश्वरी वर्मा, उमादेवी वर्मा शिक्षिका वीणा साहू सहित पालकगण उपस्थित थे।

गरीब ठेले वाले की मदद करने पर कुलबीर छाबड़ा मुझे फंसाने का प्रयास कर रहे : आशीष डोंगरे

राजनांदगांव (समय दर्शन)। राजनांदगांव में एक गरीब ठेले वाले की मदद को लेकर शुरू हुआ विवाद अब राजनीतिक रंग ले चुका है। भाजपा के युवा नेता आशीष डोंगरे ने शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं को गरीबों की सेवा से एलर्जी है। राहुल गांधी से लेकर कुलबीर छाबड़ा तक घटिया राजनीति करना कांग्रेस नेताओं की आदत बन चुकी है। डोंगरे ने कहा कि जनता की सेवा करने वालों को बदनाम करना कांग्रेस नेताओं का पसंदीदा काम है। श्री डोंगरे ने आगे कहा कि हाल ही में नगर निगम द्वारा जप्त किया गया एक ठेला लखोली निवासी गरीब मजदूर राकेश

निर्मलकर की रोजी-रोटी का साधन था, उसकी व्यथा जानकर उन्होंने मानवता के नाते उसकी मदद की। उन्होंने कहा मैंने सिर्फइतना किया कि ठेला उसे कुछ समय के लिए दिलवा दिया, ताकि वह अपने परिवार का भरण.पोषण कर सके। साथ ही यह भी कहा कि जब असली मालिक आए तो ठेला ईमानदारी से लौटा देना। इसमें राजनीति कहां से आ गई? डोंगरे ने आरोप लगाया कि इस मानवीय कार्य को लेकर कांग्रेस नेता कुलबीर छाबड़ा ने अनर्गल आरोप लगाते हुए उन्हें और निगम कर्मचारी को फंसाने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा छाबड़ा जैसे नेता अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं। गरीब की मदद करने पर भी सवाल उठाना उनकी संकीर्ण सोच को दर्शाता है। भाजपा नेता ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं ने कभी गरीबों की भलाई के बारे में नहीं सोचा। जब भाजपा नेता गरीबों की सेवा करते हैं तो कांग्रेसियों को पेट में दर्द होने लगता है। उन्होंने कहा यही कारण है कि वे सेवा भावना से किए गए कार्यों को भी राजनीति का रंग देने लगते हैं। डोंगरे ने आगे कहा कि कुलबीर छाबड़ा अपने ही वार्ड में जनता का विश्वास खो चुके हैं। कई बार पार्षद रहने के बावजूद वे अपने क्षेत्र के गरीबों के लिए कुछ नहीं कर पाए। उन्होंने कहा इस बार जनता ने उन्हें नकार दिया और भाजपा के उम्मीदवार को चुना। अब वे दूसरों की सेवा गतिविधियों में अड़ंगा डालने में ही आनंद ले रहे हैं। किसी भी प्रकार के अवैध लेन-देन के आरोप को सिरे से खारिज करते हुए डोंगरे ने कहा मैं गरीबों की सेवा को अपना कर्तव्य मानता हूं। यदि कोई व्यक्ति इस पर राजनीति करता है या मुझे फंसाने की कोशिश करता है तो उसे गरीब की हाय लगेगी। समाज की भलाई करना राजनीति नहीं बल्कि मानवता है।

ग्राम नवाडीह (लपटी) में जिला स्तरीय पशु-पक्षी प्रदर्शनी मेला का हुआ आयोजन

उपमुख्यमंत्री साव ने प्रदर्शनी मेला का किया अवलोकन

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में पशु चिकित्सा विभाग द्वारा लोरमी विकासखण्ड के ग्राम नवाडीह (लपटी) में जिला स्तरीय पशु-पक्षी प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने पशु मेला में लगाई गई विभिन्न पशुओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर

उन्होंने पशु चिकित्सालय लोरमी में नए भवन निर्माण हेतु 40 लाख रूपए की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पशु-पक्षी जीवन का आधार है। उन्होंने पशुपालन के महत्व को बताते हुए कृषि के साथ पशुपालन कर आय बढ़ाने प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्नत नस्ल के पशुओं के संवर्धन के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने पशु मेले का अवलोकन कर पशुपालकों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वर्षा विक्रम सिंह ठाकुर ने किसानों को पशुपालन के साथ-साथ जैविक खेती अपनाने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी के साथ पशुपालन से जैवित खाद की उपयोगिता बढ़ेगी और रासायनिक खादों पर निर्भरता कम होगी।

दुर्ग निगम को राजस्व वसूली में नल कनेशन कटने के भय से करदाताओं ने चेक से चुकाया बकाया टैस

आयुक्त सुमीत अग्रवाल के निर्देश में राजस्व टीम की सफलता, निरन्तर कार्रवाही जारी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा कर वसूली को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

यह वसूली आयुक्त सुमीत अग्रवाल के मार्गदर्शन और निर्देशों के परिणामस्वरूप संभव हुई। निगम की राजस्व शाखा ने लगातार नोटिस भेजते हुए और संवाद स्थापित कर बकाया राशि वसूलने में सफलता प्राप्त की। इस कार्रवाई को निगम के राजस्व सुधार अभियान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

राजस्व विभाग के अधिकारी राज कमल बोरकर व सहायक राजस्व अधिकारी थान सिंह यादव ने बताया कि निगम क्षेत्र में जिन

व्यापारिक प्रतिष्ठानों, संस्थानों और भवन स्वामियों पर कर बकाया है, उनसे संपर्क कर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निगम की आय शहर के विकास कार्यों के लिए अत्यंत आवश्यक है, इसी को ध्यान में रखते हुए वसूली अभियान को गति दी गई है।इस दौरान राजस्व उप निरीक्षक संजय मिश्रा, विनोद उपाध्याय, उमेश यादव एवं राजदीप कसार मौजूद रहे। आयुक्त सुमीत अग्रवाल ने कहा कि नगर निगम की आय ही शहर के विकास का आधार है। नागरिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपेक्षा है कि वे समय पर अपने सभी करों का भुगतान करें। करों से प्राप्त राशि का उपयोग सड़क, जल निकासी, स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं के विकास कार्यों में किया जाता है। उन्होंने आगे अपील करते हुए कहा की निगम द्वारा टैक्स वसूली हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतः सभी व्यापारी, होटल संचालक और संपत्ति स्वामी अपनी बकाया राशि का शीघ्र भुगतान कर नगर विकास में सहयोग प्रदान करें। जो समय पर कर जमा करेंगे, उन्हें भविष्य में किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। आज साथ ही कार्रवाही के दौरान वार्ड नंबर 38 से नल कनेक्शन विच्छेदन के दबाव में कार्यवाही के आधार पर 1,68,000 रूपये नगद निगम कोष में जमा करवाया गया,साथ ही नल कनेक्शन काटने के डर से बड़े बकायेदारों द्वारा टैक्स जमा किया गया इसके अलावा राजस्व विभाग की टीम ने इस उपलब्धि के लिए आयुक्त महोदय का मार्गदर्शन प्राप्त किया और टीम को बधाई दी गई। निगम प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि बकायादारों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई एवं नल कनेक्शन काटने तथा बकायेदारों की सूची प्रकाशित की जाएगी।

जिन्हें करना चाहिए संरक्षण वे बन रहे डकैत

बिलासपुर (समय दर्शन)। एक चुनाव में देश के प्रधानमंत्री ही यह कहते थे कांग्रेस की सरकार आ जाएगी तो मंगलसूत्र छिन लेंगी, फिर भैंस चुरा लेगी और इस तरह बहुत कुछ कहा गया। चुनाव में सफलता के लिए छत्तीसगढ़ में वर्तमान दौर लूट का ही है। पहले संस्थाओं की जमीनें ले ली गई ली जा रही है और अब व्यक्तियों की जमीन लेने का क्रम शुरू हुआ है।

बिलासपुर में यूं तो 100 से ज्यादा अवैध कॉलोनी है पर 13 नवंबर 2025 को 19 एकड़ की एक प्राइवेट कॉलोनी को राजसात किया गया। यह कॉलोनी 2003 में बन गई थी कॉलोनाइजर ने शासन के नियमों की धज्जी उड़ाई थी अब सरकार अपने कब्जे के 80 प्लांट बचेगा। कहां जाता है की कमाई कई करोड़ होगी क्या सरकार का काम यही बचा है। निगम ने अपने ही जमीन पर पुराने निर्माण गिर कर पूर्व किरायेदारों को भरोसे में लेकर जो नए निर्माण कराए उसमें किरायेदारों का भरोसा तोड़ा और वह किराएदार अब भटकते घूम रहे हैं।

निगम बाजार उपकर अधिनियम के तहत किराएदारी का टेंडर जारी नहीं कर सकता पर किया जा रहा है। 30 साल से अधिक पुराने किरायेदारों को भी उनका वाजिब हक नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में नए भवनों के लिए किराएदार या लीज होल्डर क्यों मिलेंगे। जिला प्रशासन और सरकार की नियत यदि नहीं सुधरी तो बिलासपुर आधा खाली हो जाएगा। क्योंकि सैकड़ो नजूल बी होल्डर ने अपने स्वत्त्व बेचे। जबकि उन्हें उपभोग का अधिकार ही बेचने की अनुमति थी। सरकार के चाबुक उन पर भी पढ़ सकते हैं। जिनका नामदार नहीं है अन्यथा कई लाख स्क्वायर फीट भूमि और कॉर्पोरेट एरिया बेचने वाले तो बेचकर आज भी मजा मार रहे हैं। इतना ही नहीं लीज की जमीन पर बगैर नजूल को सूचना या एनओसी के बैंकों से करोड़ों के लोन लिए गए हैं।

रक्तदान महादान है एक बार रक्तदान कर हम भी कई जिंदगी बचा सकते हैं- गगन जयपुरिया

आशीर्वाद ब्लड सेंटर रायपुर का रक्तदान शिविर मोतियाबिंद जांच शिविर संपन्न बिर्रा में

जांजगीर बिर्रा (समय दर्शन)। मां चंडी देवी की पावनधरा ग्राम पंचायत बिर्रा में आशीर्वाद ब्लड सेंटर रायपुर द्वारा द्वितीय वर्ष रक्तदान शिविर व मोतियाबिंद निदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सुबह 9 बजे से ही रक्तदान करने वालों की भीड़ होने लगी। दोपहर 12 बजते ही रक्तवीरों का आंकड़ा 100 से पार पहुंच गया। वहीं एक और कैम्प में मोतियाबिंद निदान शिविर में भी बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए जिन्हें स्पेशल बस द्वारा आपरेशन हेतु रायपुर भेजा गया। सफ़ल आपरेशन पश्चात निज निवास पहुंचाया जाएगा। रक्तदान शिविर में विशेष रूप से गगन जयपुरिया जी उपाध्यक्ष ज़िला पंचायत जांजगीर चांपा,मनोज कुमार तिवारी सेवानिवृत्त व्याख्याता, रितेश रमण सिंह छोटू बाबा जनपद

सदस्य, मिडिया प्रभारी जितेन्द्र तिवारी, डॉ कुश पटेल देवेन्द्र कुमार नामदेव, अवधेश कश्यप,हेमंत देवांगन,आरतीलाल कश्यप, लखनलाल देवांगन सम्मेलाल यादव, भोलाराम देवांगन, एकांश पटेल, लोकपाल,पंचराम कश्यप,विनय कश्यप (सरपंच घिवरा, बसंतपुर)रितेश देवांगन, चित्रभानू पांडेय, राघवेन्द्र पांडेय,जीवन साहू.सुरेश कुमार कर्ष,सिद्धार्थ तिवारी, भूपेंद्र कुमार कश्यप,मदन साहू बतौर अतिथि शामिल हुए। शिविर की प्रसंशा करते हुए गगन जयपुरिया ने कहा कि सभी दान में रक्तदान महादान है जिससे एक व्यक्ति दुसरे व्यक्ति को जीवनदान दे सकता है। रक्तदान करने से विभिन्न भ्रांतियां फैली हुई है कि रक्तदान करने से शरीर को नुकसान होता है परंतु इससे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है किन्तु रक्तदान करने से शरीर पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।व्याख्याता मनोज तिवारी ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में जो रक्तचाप आदि की जो समस्या रहती है वह दूर हो जाती है । वहीं जनपद सदस्य रितेश रमण सिंह,डॉ कुश पटेल, जितेन्द्र तिवारी, भूपेंद्र कश्यप,कमल खूंटे,मदन साहू, कार्तिक पटेल,सुनील थवाईत,राजू, दुष्यंत कश्यप ने भी रक्तवीरों का उत्साह वर्धन करते हुए रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डाला।सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने रक्तवीरों को प्रशस्ती पत्र, हेलमेट व स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया गया ।

हेलमेट वितरण को बहुत नेक पहल बताया गया और इससे यातायात के नियमों के पालन की जागरूकता मिल रही है। आशीर्वाद ब्लड सेंटर संस्था से निखिल पटेल व भूवनेश्वर देवांगन ने बताया कि संस्था के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंदों को समयानुसार लोगों को रक्त की उपलब्धता हो जाए इसके लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बीच-बीच में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है।इस शिविर में जय मां डोकरी दाई मेडिकल स्टोर के संचालक भूपेन्द्र कुमार कश्यप ने अपने जीवन में 14 वीं बार रक्तदान किया। वहीं बिर्रा वार्ड क्रमांक 13 के पंच छोटेलाल केंवट ने पहली बार रक्तदान कर युवाओं को जागरूक किया। सुनील थवाईत ने चौथी बार तो मोहन साहू ने दुसरी बार रक्तदान किया।आयोजक ने बताया कि बिर्रा में यह हमारी संस्था का दुसरी बार आयोजन है। इसके साथ ही इस बार आंखों की जांच के साथ मोतियाबिंद निदान शिविर का भी आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में मरीजों को उनके एक सहयोगी के साथ मोतियाबिंद आपरेशन के लिए स्पेशल बस द्वारा रायपुर भेजा गया है आपरेशन पश्चात सकुशल घर वापस लौटाया जाएगा।इस बार लगभग 180 युनिट रक्त संग्रहण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र तिवारी ने किया। आयोजन को सफ्ल बनाने निखिल पटेल,भूवनेश्वर देवांगन, दुष्यंत कुमार कश्यप, देवेन्द्र नामदेव,पुष्पेन्द्र श्रीवास,प्रकाश देवांगन, राजेन्द्र देवांगन,अरूण श्रीवास,ओम, विजेन्द्र देवांगन सहित आशीर्वाद ब्लड सेंटर के सहयोगी चिकित्सक एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

संक्षिप्त-खबर

डबरा पारा भिलाई 3 स्कूल मनाया बाल दिवस

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला डबरापारा में बाल दिवस के अवसर पर बाल मेला का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक बाल मेला का आनंद लिया बच्चों के द्वारा गुपचुप चार्ट भेल आदि का स्टॉल लगाया गया रंगोली प्रतियोगिता तथा ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लिया। वही प्राथमिक शाला द्वारा स्नरह्र के स्ट्रॉल के माध्यम से बच्चों को करके सीखो तथा वस्तु , रंगों, जोड़ना, घटाना, बच्चों द्वारा बताया गया। प्रधान पाठक श्रीमती प्रतिभा मौर्य द्वारा बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा गया कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन शाला में करते रहेंगे। शाला में नवाचार, शाला की उपस्थिति बढ़ाने, तथा प्रतियोगि परीक्षा के लिए बच्चो की तैयारी कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा वही प्राथमिक प्रधान पाठक ने कहा कि एफएल एन के द्वारा बच्चों का शाला के प्रति रूझान बढ़ेगा तथा नवाचार के द्वारा बच्चों को पढ़ाना। साथ ही शाला के सभी स्टाफश्रीमती विद्या साहू, सविंदर कौर, नेमीचंद साहू, विनोद कुमार वर्मा, मोहनलाल चंद्राकर, धरना मंडावी, पार्षद तुलसी ध्रुव, राजकुमार वर्मा, रोशन बंजारे, मंजू , ममता देवांगन, सीता वर्मा, सरस्वती चंद्राकर, पूर्णिमा निषाद, पुष्पा शर्मा, योगेश्वरी यादव, अंकलहीन बाई, आदि ने मेले का आनंद लेते हुए कहा बच्चों के द्वारा इस तरह के आयोजन शाला में होते रहना चाहिए।

सांकरा में बाल मेला का आयोजन, सरपंच भी पहुंचे बच्चों के पास, उत्साह वर्धन किया

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सांकरा मे एफएलएन मेला का आयोजन किया गया युवा सरपंच रवि सिंगौर ने किया अवलोकन जिसमे कक्षा 1वी से 5वी बच्चो के दुवारा अलग अलग चित्रकला, अंकगणित, वर्णज्ञान, अन्य कलाओ का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष तुलाराम सिंगौर, कामता सिंगौर, नेहरू तुरकाने, कांता सिंगौर सहित शिक्षकगण मौजूद है।

बाल मेला में दिखा पूरा भारत, पूर्व माध्यमिक शाला पाटन में बच्चों ने लगाया स्टॉल, सभी राज्यों की संस्कृतिक झलक दिखी

पाटन (समय दर्शन)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू का जन्म दिन आज बाल दिवस के रूप में मनाई गई। पाटन के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में आज बच्चों ने विभिन्न व्यजनों का स्टॉल लगाया जिसकी सभी ने सराहना किए। इसके अलावा स्कूली बच्चे भारत के अनेक प्रांत के लोक संस्कृति का भी प्रदर्शन किया गया। पारम्परिक वेशभूषा में बच्चों ने गुजरात, राजस्थान, पंजाब, केरल, मलयालम, छत्तीसगढ़ी संस्कृति का भी प्रदर्शन किया गया। स्कूल में बच्चों द्वारा द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण करने नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले , पार्षद सहित शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सदस्य के और बच्चों के पालक भी पहुंचे। सभी पालकों ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तालदेवरी में धूमधाम से बाल दिवस मनाया

जांजगीर(समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तालदेवरी में धूमधाम से बालदिवस मनाया गया जिसमें गांव के जनप्रतिनिधि, विद्यालय के सभी बच्चे एवं शिक्षक शामिल हुए। साथ ही न्यौता भोजन का आयोजन भी किया गया, बच्चों को खीर पुड़ी, दाल चावल एवं हरी सब्जियां खिलाए गए। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत तालदेवरी के सरपंच श्रीमती सीमा सोनवानी, सरपंच प्रतिनिधि शुकलाल सोनवानी, शाला विकास समिति के अध्यक्ष श्री लखेश्वर साहू, विद्यालय से संकुल प्राचार्य श्रीमती पापिया चक्रवर्ती, शैक्षिक समन्वयक श्री लालित मनहर, प्रधान पाठक श्री ओमप्रकाश पटेल, श्री मथुरा प्रसाद मधुकर, वरिष्ठ व्याख्याता श्री फ़िरतू राम पटेल, श्रीमति माधुरी तंबोली, सुश्री बबीता भगत, श्री योगेश कुमार निर्मलकर, श्री कन्हैयालाल देवांगन, श्री पंकज यादव,श्री हेमंत कश्यप, श्रीगेंद्र राय, श्रीमति श्रवनी आजाद, श्रीमति पुष्पा कश्यप सुश्री बजंत्री सक्सेना, अन्य कर्मचारी श्री सुरेन्द्र मनहर, श्री चंदराम मधुकर, श्री संतोष साहू आदि सभी शामिल रहे।

रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल आयोजन

एनएसएस इकाई ने 'यूनिटी मार्च-सरदार पटेल 150वीं जयंती रैली' निकालकर दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

बेमेतरा (समय दर्शन)। रेवेन्द्र सिंह वर्मा कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, ढोलिया, बेमेतरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम बिलई में 6 नवंबर से 12 नवंबर 2025 तक आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल समापन हुआ। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सामाजिक जागरूकता, ग्रामीण विकास और जनहित से जुड़े अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय योगदान दिया। सात दिवसीय एनएसएस शिविर कृसेवा, संस्कार और जनजागरण का संगम, शिविर की अवधि में स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, ग्रामीण स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल साक्षरता जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर गतिविधियाँ आयोजित कीं। ग्रामवासियों को समस्याओं के समाधान की प्रेरणा देने के साथ-साथ युवाओं ने ग्रामीण समुदाय के साथ संवाद स्थापित कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

शिविर के विशेष आकर्षण के रूप में एनएसएस इकाई ने यूनिटी मार्च-सरदार पटेल 150वीं जयंती रैली का भव्य आयोजन किया। इस रैली का उद्देश्य भारत के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता और समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना था। रैली ग्राम बिलई के मुख्य मार्गों से होकर निकाली गई। स्वयंसेवकों ने एकता में शक्ति, राष्ट्रहित सर्वोपरि, हम सब एक हैं जैसे प्रेरक नारे लगाते हुए समाज को राष्ट्रीय एकता और सद्भाव का संदेश दिया।

खबर-खास

हटरी बाजार भाटापारा में मवेशी (बछडा) पर चाकू से चोंट पहुंचाने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

भाटापारा (समय दर्शन)। हटरी बाजार भाटापारा में एक बछड़ेको चाकू से घायल कर दिया गया है, कि सूचना पर गौसेवकों की सहायता से बछड़े का प्रार्रंभिक इलाज करवाकर, उसे गौशाला में शिफ्ट किया गया है तथा अग्रिम कार्यवाही करते हुए तत्काल थाना भाटापारा शहर में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्र. 625/2025 धारा 325 बीएनएस एवं पशु क्रूरता अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना के 10 घंटे के भीतर आरोपी इमरान कुरैशी को हिरासत में लिया गया तथा घटना में प्रयुक्त एक चाकू भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है तथा आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है। वर्तमान में बछड़े की हालत सामान्य है तथा उसका समुचित इलाज करते हुए सतत् मॉनिटरिंग की जा रही है। आरोपी से प्रार्रंभिक पूछताछ पर उसके द्वारा उक्त घटना शराब के नशे में करना स्वीकार किया गया है।

पालिका अध्यक्षा ने नगर पालिका में किया आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाडा किरंदुल नगर पालिका उपाध्यक्ष एवं पार्षदों के द्वारा पूर्व में पालिका अध्यक्ष से नगर पालिका में आधार सेवा केंद्र की मांग की गई थी जिसको देखते हुए पालिका अध्यक्ष ने किरंदुल नगर पालिका में आधार सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया गया जिसमें नगर के प्रथम व्यक्ति, पालिका अध्यक्षा रूबी शैलेन्द्र सिंह के द्वारा फित्ता काटकर केन्द्र का उद्घाटन किया गया एवं उन्होंने कहा कि अब नगर वासियों के साथ-साथ अगल-बगल के पंचायतों एवं गांव के लोगों को आधार पंजीकरण, नाम, पता, उम्र सुधार, मोबाइल नंबर जोड़ने, बायोमैट्रिक अपडेट के लिए प्राइवेट सीएससी का चक्कर नहीं लगाना होगा। यह सब सुविधा नाम मात्र के शुल्क पर अब किरंदुल नगर पालिका में ही उपलब्ध हो गई है। इससे लोगों के समय व धन दोनों की बचत होगी। इस दौरान सीएमओ शशि भूषण महापात्र, उपाध्यक्ष बबलू सिद्दकी, पार्षद लक्ष्मी ठाकुर, गिरजा ठाकुर, देवकी ठाकुर, अमृत टंडन, यशोदा चुन्नम, गोपीनाथ हरिजन, राजकुमार सोनी , थामस बाबू दुर्गम, पदमा नाग, के सजी, बालसिंह कश्यप, ए अनिल एवं नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी स्थित थे।

दावा रहित जमा राशियों हेतु जिला स्तरीय मेगा शिविर संपन्न

दुर्ग(समय दर्शन)। वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भारत के 100 जिलों में दावा रहित जमा राशियों हेतु जिला स्तरीय मेगा शिविर आज आयोजित किये गये। छत्तीसगढ़ राज्य से दुर्ग जिले को चयनित किया गया था। दुर्ग जिले में कुल 172174 खातों में कुल राशि 65.59 करोड़ हैं के लिए नगर निगम भिलाई सभागार में शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि भारतीय रिजर्व बैंक से श्रीमती रीनी अजीत (क्षेत्रीय निदेशक) उपस्थित रहे। साथ ही श्री राजीव कुमार पांडे (आयुक्त नगर निगम भिलाई) श्री भरत चावड़ा (उप अंचल प्रबंधक, बैंक ऑफ बडौदा) श्री मनोज सिंग (सहायक महाप्रबंधक छ.ग. राज्य स्तरीय बैंकर्स कमिटी) भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में दुर्ग जिले के बैंकों के अंतर्गत दावेदारों को दावा रहित जमा राशि का प्रमाण पत्र भी मुख्य अतिथि के द्वारा वितरित किया गया।

संकुल केंद्र टिकनपाल में एफएलएन मेला 2025 का आयोजन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा जिला दंतेवाड़ा के निर्देशानुसार संकुल केंद्र टिकनपाल विकासखंड कुआकोंडा में एफएलएन मेला का आयोजन किया गया जिसमें एक ही लक्ष्य बच्चे होंगे स्वस्थ दक्ष थीम के तहत, बच्चों के द्वारा स्टॉल संचालित किए गए जहां बच्चे स्वयं सीखते हुए अपने साथियों को भी सीखने में सहयोग प्रदान किया,मेले में स्वयं सीखने की गतिविधियों तथा एक स्टॉल एक अवधारणा पर ऑटो मोड संचालक को विशेष प्राथमिकता दी गई जिसमें बालवाड़ी एवं प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए हिंदी,अंग्रेजी और गणित विषयों पर आधारित शिक्षण अधिगम स्टॉल संचालित किए गए एफएलएन मेले में बच्चों के द्वारा हस्तशिल्प प्रोजेक्ट,पेंटिंग और ड्राइंग मॉडल मेकिंग रचनात्मक परियोजनाएं प्रस्तुत की गई स्वस्थ मेले के द्वारा अलग-अलग शैक्षिक संस्थाओं के बीच तालमेल और ज्ञान का आदान-प्रदान हुआ इससे शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को नई-नई चीज़ सीखने को मिली, इस कार्यक्रम के तहत उल्लास साक्षरता कार्यक्रम महापरीक्षा अभियान का भी प्रचार प्रसार किया गया इस मेले मे संकुल के समस्त बच्चे, समस्त शिक्षक, एपीसी कमल कर्मकार, मध्यान भोजन नोडल अधिकारी रामकुमार महंती,संकुल प्राचार्य मोहन सिंह सिन्हा, संकुल समन्वयक अजय कुमार साहू, शंकर लाल नाग एवं पालक गण उपस्थित थे।

पालीगुड़ा में 44 लाख की लागत से गौरव पथ निर्माण के लिए हुआ भूमिपूजन

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में निरंतर विकास की ओर अग्रसर कवर्धा

कवर्धा (समय दर्शन)। कवर्धा विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर आज अभूतपूर्व रूप से बदल रही है। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की दूरदृष्टि, मजबूत नेतृत्व क्षमता एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप क्षेत्र में सड़क, सीसी रोड, नाली तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विकास हो रहा है। इसी क्रम में ग्राम पालीगुड़ा को अत्याधुनिक सुविधाओं से जोड़ने के लिए गौरव पथ निर्माण हेतु 500 मीटर सीसी रोड तथा नाली निर्माण के लिए 43.99 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह कार्य न केवल गांव की सुंदरता बढ़ाएगा, बल्कि आवागमन, स्वच्छता व जनसुविधाओं को भी सुदृढ़ करेगा। आज ग्राम पालीगुड़ा में विधि-विधान के साथ भूमि पूजन कर इस महत्वपूर्ण कार्य का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में विकास योजनाओं की गति तेज हुई है। गांव-गांव तक पहुंच रही सरकारी योजनाओं और तेजी से हो रहे निर्माण कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। गौरव पथ योजनाएं न केवल आवागमन में सुधार लाती हैं, बल्कि गांव के समग्र विकास, सौंदर्यीकरण और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय वृद्धि करती हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय तथा उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा विधानसभा निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। शासन की प्राथमिकता गांवों में बेहतर बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीण विकास को प्राथमिकता दी है। यह परियोजना दिखाती है कि सरकार की प्राथमिकता गाँव की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों को इस सौगात के लिए बधाई दी। ग्रामीणों ने भी इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य के लिए शासन व जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गौरव पथ बन जाने से आवागमन, साफ-सफाई, जल निकासी और जनसुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष घुरुवा साहू, जनपद अध्यक्ष कवर्धा श्रीमती सुषमा गणपत बघेल, उपाध्यक्ष गणेश तिवारी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुमित्रा विजय पटेल, विधायक प्रतिनिधि खेमराज साहू आदि उपस्थित थे।

'तुहर टोकन मोबाइल एप' से समितियों में लंबी कतारों से मिलेगी मुक्ति

कवर्धा (समय दर्शन)। किसानों को धान विक्रय हेतु सुगम एवं बेहतर व्यवस्था के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 'तुहर टोकन मोबाइल एप' प्रारंभ किया है। इस एप के माध्यम से किसानों को घर बैठे धान विक्रय हेतु टोकन की व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे समितियों में लंबी कतारों से मुक्ति मिलेगी। यह मोबाइल ऐप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस ऐप में किसानों को सर्वप्रथम आधार आधारित ओटीपी के माध्यम से पंजीयन करना होगा। किसान प्रतिदिन सुबह 8 बजे से इस ऐप के माध्यम से टोकन हेतु आवेदन कर सकेंगे। खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि धान खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, सीमांत कृषक (2 एकड़ या 2 एकड़ से कम भूमि) को अधिकतम 1 टोकन, लघु कृषक (2 से 10 एकड़ तक) को अधिकतम 2 टोकन तथा दीर्घ कृषक (10 एकड़ से अधिक) को अधिकतम 3 टोकन दिया जाएगा। नया टोकन बनाने हेतु समय-सीमा रविवार से शुक्रवार तक (प्रातः 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक) निर्धारित की गई है। जारी टोकन आगामी 07 खरीदी दिवसों के लिए मान्य रहेगा। धान खरीदी केन्द्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा का 70 प्रतिशत हिस्सा मोबाइल एप के माध्यम से टोकन हेतु आरक्षित रहेगा। इस 70 प्रतिशत में से लघु एवं सीमांत कृषक हेतु 80 प्रतिशत तथा दीर्घ कृषक हेतु 20 प्रतिशत का आरक्षण किया गया है। उदाहरण स्वरूप यदि किसी उपार्जन केन्द्र की प्रतिदिन की खरीदी सीमा 1000 क्विंटल है, तो मोबाइल ऐप हेतु आरक्षित 700 क्विंटल में से 560 क्विंटल लघु एवं सीमांत कृषकों हेतु तथा 140 क्विंटल दीर्घ कृषकों हेतु आरक्षित रहेगा। शेष 30 प्रतिशत टोकन सोसाइटी स्तर पर भी किसानों हेतु उपलब्ध रहेंगे, जिससे सभी वर्ग के किसानों को धान विक्रय हेतु सहज और सुगम व्यवस्था प्राप्त हो सके। खाद्य विभाग द्वारा विकसित 'तुहर टोकन मोबाइल एप' राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाते हुए खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता, समान अवसर और समय की बचत सुनिश्चित करेगा।

सवा करोड़ मूल्य के 6 क्विंटल गांजा व प्रतिबंधित दवाइयों का भस्मीकरण किया

कबीरधाम पुलिस ने दिया अवैध नशा माफिया को कड़ा संदेश

कवर्धा (समय दर्शन)। कबीरधाम जिला ड्रग डिस्पोजल कमेटी के अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में 14.11. 2025 को वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न मामलों में जप्त मादक पदार्थों का सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं विधि-सम्मत निस्तारण किया गया।

यह कार्रवाई जिले में नशे के अवैध व्यापार पर कठोर प्रहार के रूप में देखी जा रही है। नष्टीकरण कार्यवाही के दौरान जिला ड्रग डिस्पोजल समिति के सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल तथा जिला आबकारी अधिकारी अजय सिंह धुर्वे भी उपस्थित रहे। माननीय न्यायालय द्वारा भौतिक सत्यापन के उपरांत, जिले के विभिन्न थानों द्वारा अलग अलग मामलों में जप्त कुल 658.478 किलोग्राम गांजा और 360 नग अल्प्राजोलम टैबलेट, जिनकी कुल अनुमानित कीमत ?1,23,76,328 को भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना राम्हेपुर की हाई-टेंपरेचर भट्टी में पूर्णतः भस्मीकरण किया गया। सुरक्षा व्यवस्था और कमेटी की निगरानी में यह संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई।

इस कार्रवाई के दौरान उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) आशीष शुक्ला, निरीक्षक उमाशंकर राठौर, शक्कर कारखाना के जी.एम अंकित मरकाम, चौकी प्रभारी पौड़ी उप निरीक्षक लक्ष्मीनारायण साव, डीसीबी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक सफीक कुरैशी, मलखाना प्रभारी सहायक उप निरीक्षक जीवन राय, प्रधान आरक्षक लोकेश शर्मा, प्रधान आरक्षक शोभाराम चंद्रवंशी सहित पिपरिया, पंडरिया, पांडातराई, कुंडा, चिल्फी, कुकुदुर, कवर्धा, बोडला एवं आबकारी वृत्त पंडरिया के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कबीरधाम पुलिस की इस कार्रवाई ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जिले में नशा कारोबार की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, वितरण और संग्रहण पर भविष्य में भी इसी कठोरता के साथ लगातार अभियान जारी रहेंगे।

छात्रा विश्वेशा हरमुख ने गोल्ड मेडल हासिल कर छत्तीसगढ़ का बढ़ाया मान

श्रीश्री रविशंकर यूनिवर्सिटी कटक के दीक्षांत समारोह में मिला सम्मान

दुर्ग (समय दर्शन)। उड़ीसा के कटक शहर स्थित श्रीश्री रविशंकर यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह पूज्य गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के सानिध्य में संपन्न हुआ। जिसमें आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के इंटीरियर डिजाइन कोर्स में दुर्ग जिले के ग्राम कोलिहापुरी निवासी छात्रा कु. विश्वेशा हरमुख ने स्वर्ण पदक हासिल कर सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया है। साथ ही रजत पदक भी छत्तीसगढ़ के अम्बिकापुर से कु. श्रेया मित्तल ने हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। कांस्य पदक भुवनेश्वर की सुनयना पुजारी को मिला। बता दें कि स्वर्ण पदक प्राप्त छात्रा विश्वेशा हरमुख कोलिहापुरी निवासी एवं कांग्रेस नेता केशव बंटी हरमुख की सुपुत्री है। विश्वेशा हरमुख ने अपने विषय में पूरे विश्वविद्यालय में टॉप कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि हासिल करने में शिक्षिका सुप्रीति दास, रुपाली शाह, शिक्षक बिभूप्रकास शाह, देबाशीष दास व अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं का विश्वेशा हरमुख को मार्गदर्शन मिला। छात्रा विश्वेशा हरमुख के अलावा अन्य सफल छात्रों को उनकी उपलब्धि के लिए पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, जिला पंचायत सदस्य आशा विक्की मिश्रा, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, पूर्व उपाध्यक्ष व वर्तमान जनपद सदस्य झमित गायकवाड़, महापौर रिसाली शशि सिन्हा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष जयंत देशमुख, जनपद के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, केश शिल्पी कल्याण बोर्ड अध्यक्ष नंदकुमार सेन, उतई के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष डिकेन्द्र हिरवानी, सहकारिता कांग्रेस अध्यक्ष रिवेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत सभापति योगिता चंद्राकर, लक्ष्मी साहू, दिवाकर गायकवाड़, पिलेश्वर साहू, रूपेश देशमुख, नंदकुमार साहू, कृष्णा देवांगन दिल्लीवार कुर्मी समाज अध्यक्ष योगेंद्र बेलचंदन, महामंत्री ललित देशमुख, कोषाध्यक्ष दिलीप देशमुख, सलाहकार यशवंत दिल्लीवार, संरक्षक चंद्रिका देशमुख, कलिशरण देशमुख, युवा अध्यक्ष हेमंत देशमुख, महिला अध्यक्ष प्रीति देशमुख ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 15 को कला मंदिर में

दुर्ग। जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 15 नवंबर 2025 को महात्मा गांधी कला मंदिर ऑडिटोरियम सिविक सेंटर भिलाई में किया जाएगा। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा उक्त आयोजन के सफल संचालन हेतु विभागवार अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। उन्होंने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजन की तैयारी के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि शासन के मार्गदर्शी निर्देशों के तहत कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि को परिवर्तन किया गया है। उक्त कार्यक्रम का आयोजन सांसद श्री विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा समय पूर्व समस्त तैयारियां पूर्ण किया जाए। जनजातीय गौरव दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही कार्यालयों की भी धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की पाती का वाचन होगा।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I Gautam Chand Jain, Father Late Banshilal Jain, resident of Gaya Nagar, Ward No. 04, Street No.-04, Mathpara, Durg Teh. And District Durg (CG)-491001, have changed my old name Gautam Chand, Father Late Banshilal Jain, SO in future I should be recognized by my new name Gautam Chand Jain, Father Late Banshilal Jain, that is in all Government and other documents.

Gautam Chand Jain, Father Late Banshilal Jain, resident of Gaya Nagar, Ward No. 04, Street No.-04, Mathpara, Durg Teh. And District Durg (CG)-491001

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT No: 30/PWD/ZONE-2/2025 RAIPUR DATED: 14.11.2025

Online bids are invited for the following of up to 06.12.2025 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender	Name of works	Amount of the Estimate (Rs. in Lakh)	Earnest money Deposit	Eligible Class of contractor/ Firm	Time allowed for Comeletion
01	179577	शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्र. 28 अंतर्गत देवेन्द्र नगर सेक्टर 02 शीतल विहार कालोनी के समीप सीसी रोड नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य।	17.08	18000.00	Class D & Above	03 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 15.11.2025, 10.30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

NOTE:
1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e- Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISIONER
ZONE- 02
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

//न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम (छ.ग.)//
ईकोर्ट क्र...ब/121 वर्ष 2025-26
ग्राम-बिरकोना प.ह.नं.03
//ईश्तहार//

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज चन्द्रवंशी पिता केजाराम चन्द्रवंशी साकिन बिरकोना तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम द्वारा अपने पुत्र अविक चन्द्रवंशी के जन्म प्रमाण पत्र शासकीय कार्य में आवश्यकता पड़ने से जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा,शपथ पत्र,आधार कार्ड, शिक्षा प्रमाण पत्र अनुसार आवेदक के पुत्र अविक चन्द्रवंशी के जन्मतिथि 04.09.2009 को ग्राम बिरकोना में होना लेख किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 06.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया । पेशी दिनांक-21.11.2025

तहसीलदार
पिपरिया

मुहर

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27

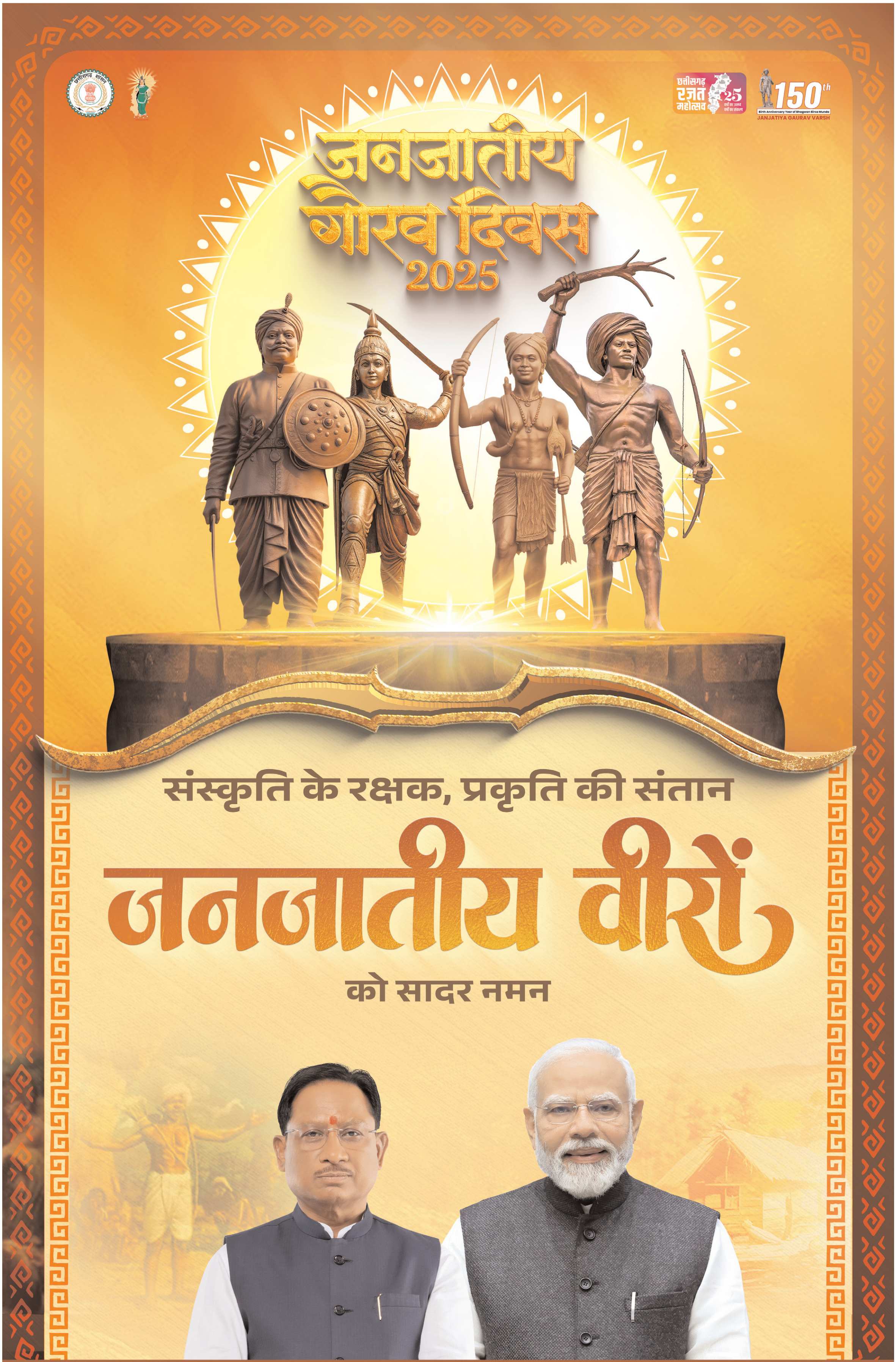
छत्तीसगढ़ शासन
छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प
150th
Birth Anniversary Year of Bhagwan Birsa Munda
JANJATIYA GAURAV VARSH
जनजातीय गौरव दिवस
2025
संस्कृति के रक्षक, प्रकृति की संतान
जनजातीय वीरों
को सादर नमन
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क